www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 भविष्य की आधारशिला रखने वाला मिशन एक्सिओम-4

ईरान पर हमले के लिए अमेरिका ने बनाया बंकर-बस्टर बम 06

वर्ष :17 | अंक :87 | प्रयागराज , शनिवार , 28 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

अमृतसर से बब्बर खालसा के 3 मेंबर गिरफ्तार, 2 हैंड ग्रेनेड-ग्लॉक पिस्तौल बरामद

पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस द्वारा समर्थित एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल के रूप में पहचाने जाने वाले इस समूह ने कथित तौर पर अमृतसर और उसके आसपास के इलाकों में पुलिस प्रतिष्ठानों पर लक्षित हत्याओं और हमलों की योजना बनाई थी। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने पुष्टि की कि इस साजिश के सिलसिले में एक नाबालिग सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया है, जिससे अनगिनत निर्दोष लोगों की जान बच गई है। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एक खुफिया-आधारित ऑपरेशन में, राज्य विशेष ऑपरेशन सेल, मोहाली ने पाकिस्तान आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी मॉड्यूल का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है, जिसे यूके स्थित निशान सिंह और पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर रिंदा द्वारा संचालित किया जा रहा था। एक किशोर सहित तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है।

वाहन को गलती से टक्कर लगने पर ई-रिक्शा चालक को गोली मारने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

दिल्ली के नंद नगरी इलाके में एक व्यक्ति को एक ई-रिक्शा चालक को गोली मारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना उस समय हुई जब ई-रिक्शा चालक की गाड़ी गलती से उस व्यक्ति की कार से टकरा गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 23 जून की सुबह विनय (30) अपने ई-रिक्शा में अमित विहार से वापस अपने घर सबोली जा रहा था। उन्होंने बताया कि गगन सिनेमा के पास मोड़ते समय उसका ई-रिक्शा कथित रूप से एक काले रंग की कार से टकरा गया। अधिकारी ने बताया कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) चालक समीर शर्मा (46) ने गुस्से में आकर कथित तौर पर पिस्तौल निकाली और विनय पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि गोली चलाने के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। पुलिस ने बताया कि जीटीबी अस्पताल से पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को गोलीबारी में एक व्यक्ति के घायल होने के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। पुलिस ने बताया कि जीटीबी अस्पताल में ही पीड़ित का उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि विनय के बयान के आधार पर नंद नगरी थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास) और धारा 3(5) (संयुक्त जवाबदेही) तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 27 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जगन्नाथ रथ यात्रा में उमड़ा भक्तों का सैलाब

पुरी में रथ यात्रा रुकी, आज फिर शुरू होगी:आज बलभद्र-सुभद्रा के रथ खींचे गए, एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए ह्यूमन चेन बनाई

जगन्नाथ रथ यात्रा

ओडिशा सरकार ने भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के लिए व्यापक बंदोबस्त किए हैं और शुक्रवार को इसमें भाग लेने के लिए लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एजेंसी

पुरी में से शुरू होने वाले वार्षिक उत्सव जगन्नाथ रथ यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे हैं। जिला मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ स्वैन और पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल ने सुरक्षित और व्यवस्थित आयोजन की गारंटी के लिए योजना बनाने के प्रयासों पर अपडेट साझा किए। ओडिशा सरकार ने भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के लिए व्यापक बंदोबस्त किए हैं और शुक्रवार को इसमें भाग लेने के लिए लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम तक करीब एक लाख लोग पुरी पहुंच चुके थे और आज सुबह यह संख्या कई गुना बढ़ गयी। उन्होंने बताया कि देशभर और विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के इस रथ यात्रा में भाग लेने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। रथ यात्रा के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे भारत भर के कुछ राज्यों में, शुक्रवार, 27 जून, 2025 को रथ यात्रा के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे, जो एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है। इसके बाद चौथा शनिवार (28 जून) और रविवार (29 जून) होगा, जो देश भर के अधिकांश बैंकों के लिए मानक गैर-कार्य दिवस हैं। नतीजतन, इन प्रभावित राज्यों में लगातार तीन दिनों तक अधिकांश बैंकिंग गतिविधियाँ ठप रहेंगी, जिससे ऋण वितरण, चेक क्लीयरेंस और अन्य शाखा-आधारित सेवाओं में देरी हो सकती है। इस समय डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करने और समय से पहले अपनी बैंकिंग गतिविधि को व्यवस्थित करने की सलाह दी जाती है। शहर में किये गये कड़े सुरक्षा इंतजामशहर में करीब 10,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गयी है, जिनमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की आठ टुकड़ियां भी शामिल हैं।

किसी विशेष क्षेत्र में बहुत अधिक लोगों के एकत्र होने पर पुलिस नियंत्रण कक्ष को भी सूचित करेगी। अधिकारियों ने बताया कि पूरे 16 किलोमीटर के मार्ग पर शोभायात्रा के साथ करीब 4,500 सुरक्षाकर्मी चलेंगे, जबकि यातायात प्रबंधन के लिए 1,931 कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने जगन्नाथ रथ यात्रा पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

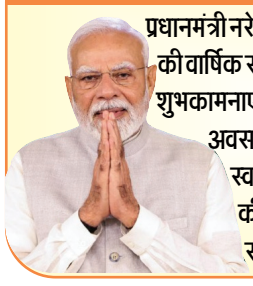

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में इस अवसर पर सभी के लिए सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के लिए लाखों श्रद्धालु समुद्र तटीय तीर्थ नगरी पुरी में उमड़े हैं।

सीएम पटेल ने की पहिंद विधि, अमित शाह ने उतारी आरती

अहमदाबाद। भगवान जगन्नाथ की 148वीं रथयात्रा शुक्रवार सुबह अहमदाबाद में शुरू हुई, जिसमें हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए उमड़े। भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के रथों को सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार खलासी समुदाय ने शहर के जमालपुर क्षेत्र में स्थित जगन्नाथ मंदिर से बाहर निकाला। तीन रथों की भव्य शोभायात्रा 400 वर्ष पुराने मंदिर से शुरू हुई और पुराने शहर से होते हुए इसके रात आठ बजे तक लौटने की उम्मीद है। यह यात्रा जिन इलाकों से गुजरेगी, उनमें कुछ सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र भी शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उनके परिवार के सदस्यों ने जगन्नाथ मंदिर में सुबह पूजा में भाग लिया

अहमदाबाद में रथ यात्रा के दौरान मचा हड़कंप, हाथी हुआ बेकाबू

गुजरात के अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया, जब जुलूस में शामिल हाथी अचानक बेकाबू हो गया। हाथी को भीड़ के बीच दौड़ते देख श्रद्धालु डर गए, लेकिन गनीमत रही कि समय रहते उस पर काबू पा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

शर्मनाक: कोलकाता के लॉ कॉलेज में छात्रा से गैंगरेप

दो सीनियर और एक पूर्व छात्र गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से एक बार फिर समाज को शर्मसार कर देने वाली खबर आई हैं। यहां लॉ कॉलेज की एक छात्रा के साथ दो सीनियर छात्रों और संस्थान के एक पूर्व छात्र द्वारा कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सामूहिक बलात्कार के मामले में तीनों आरोपियों को गुरुवार रात गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, यह घटना

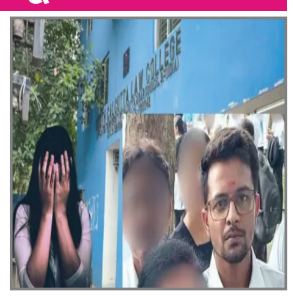

25 जून की शाम को हुई, जब छात्रा कॉलेज आई हुई ती। वहीं तीनों आरोपियों ने उसे एक कमरे में जबरन उठाकर ले गए और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। अधिकारी ने बताया, छात्रा ने कसबा थाना में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर तीनों आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

कोलकाता रेप केस मामले को लेकर टीएमसी ने जारी किया बयान

कहा- न्याय सुनिश्चित किया जाएगा

25 जून की रात को कोलकाता स्थित लॉ कॉलेज के परिसर में एक छात्रा के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया, जिसके बाद तीन लोगों को गिरफ़्तार किया गया, जिनमें दो छात्र और एक कर्मचारी शामिल है जो संस्थान का पूर्व छात्र भी है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखोपाध्याय उर्फ प्रमित मुखर्जी (20) के रूप में की है। एफआईआर के अनुसार, उनमें से एक ने यौन उत्पीड़न किया जबकि अन्य ने अपराध को बढ़ावा दिया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई एफआईआर में तीनों का नाम दर्ज किया गया है।

कॉलेज परिसर में हुई वारदात

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह कथित गैंगरेप की घटना कॉलेज की इमारत के अंदर ही हुई। पीड़िता का प्रारंभिक मेडिकल परीक्षण किया गया है और कई गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

आरएसएस-भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए : राहुल गांधी

आरएसएस महासचिव होसबाले ने कहा था- संविधान में सोशलिस्ट-सेक्युलर शब्दों पर बहस हो

> राहुल ने एक्स पर लिखा कि फरर का नकाब फिर से उतर गया। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। उन्होंने आगे लिखा कि आरएसएस-भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए।

एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले द्वारा संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग के बाद भारी राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल करने पर पुनर्विचार करने के होसबोले के कड़े आह्वान पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी नेताओं की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई।पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ट्वीट किया है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि फरर का नकाब फिर से उतर गया। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। उन्होंने आगे लिखा कि आरएसएस ये सपना देखना बंद करे - हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे।

2029 विश्व पुलिस और फायर गेम्स की मेजबानी करेगा भारत

अमित शाह ने ट्वीट कर दी जानकारी

केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री ने कहा कि यह प्रत्येक नागरिक के लिए बहुत गर्व का क्षण है, क्योंकि भारत को प्रतिष्ठित 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों के लिए मेजबान देश के रूप में नामित किया गया है।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत को प्रतिष्ठित 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों के लिए मेजबान देश के रूप में नामित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रत्येक नागरिक के लिए बहुत गर्व का क्षण बताया। एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में, केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री ने कहा कि यह प्रत्येक नागरिक के लिए बहुत गर्व का क्षण है, क्योंकि भारत को प्रतिष्ठित 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों के लिए मेजबान देश के रूप में नामित किया गया है। शाह ने कहा कि भारत द्वारा इस आयोजन की मेजबानी जीतना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में निर्मित हमारे विशाल खेल बुनियादी ढांचे की वैश्विक मान्यता है।

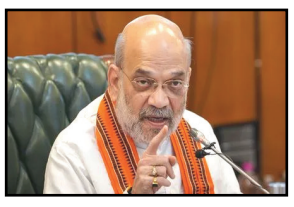

चुनाव से 2 महीने पहले ऐसा क्यों?

वोटर लिस्ट सत्यापन को लेकर बोले तेजस्वी बोले, नीतीश और मोदी डरे हुए हैं

> तेजस्वी से सवाल किया कि चुनाव से 2 महीने पहले ऐसा क्यों किया जा रहा है? क्या 25 दिनों के भीतर आठ करोड़ लोगों की मतदाता सूची बनाना संभव है? मांगे गए दस्तावेज ऐसे हैं जो गरीबों के पास शायद ही हों।

एजेंसी

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्देश जारी किए हैं। इसका मतलब है कि बिहार के लिए मतदाता सूची नए सिरे से तैयार की जाएगी। अब इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े किए है। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की घोषणा की है। इसका मतलब है कि 8 करोड़ बिहारियों की मतदाता सूची को दरकिनार कर दिया गया है और एक नई सूची बनाई जाएगी। तेजस्वी से सवाल किया कि चुनाव से 2 महीने पहले ऐसा क्यों किया जा रहा है? क्या 25 दिनों के भीतर आठ करोड़ लोगों की मतदाता सूची बनाना संभव है? मांगे गए दस्तावेज ऐसे हैं जो गरीबों के पास शायद ही हों। हमारा प्रतिनिधिमंडल इस मामले को लेकर चुनाव आयोग से संपर्क करेगा। सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी डरे हुए हैं। वे चाहते हैं कि गरीबों का नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाए। वे समाज के गरीब तबके से वोट देने का अधिकार छीनना चाहते हैं। कांग्रेस ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे राज्य मशीनरी का इस्तेमाल करके मतदाताओं को जानबूझकर बाहर करने का जोखिम है।

ताजमहल के गुंबद से टपकने लगा पानी, 6 महीने में होगा ठीक

विशेषज्ञ गुंबद पर मरम्मत का काम शुरू करेंगे, जिसे पूरा होने में लगभग छह महीने लगेंगे। सूत्रों ने दावा किया कि एएसआई द्वारा प्रेम के इस स्मारक की लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग जांच में तीन मुख्य मुद्दे सामने आए हैं। स्मारक के मुख्य गुंबद पर पत्थरों के बीच का मोर्टार खराब पाया गया।

एजेंसी

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा थर्मल स्कैनिंग के दौरान ताजमहल के गुंबद में 73 मीटर की ऊंचाई पर पानी के रिसाव का पता चला है। सूत्रों के अनुसार, एएसआई द्वारा निरीक्षण जारी रखने के लिए गुंबद को फिलहाल मचान में रखा गया है, जो 15 दिनों तक चलने की संभावना है। इसके बाद, विशेषज्ञ गुंबद पर मरम्मत का काम शुरू करेंगे, जिसे पूरा होने में लगभग छह महीने लगेंगे। सूत्रों ने दावा किया कि एएसआई द्वारा प्रेम के इस स्मारक की लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग जांच में तीन मुख्य मुद्दे सामने आए हैं। स्मारक के मुख्य गुंबद पर पत्थरों के बीच का मोर्टार खराब पाया गया।दूसरा, गुंबद की छत का दरवाजा और फर्श कमजोर हो गया है और तीसरा, गुंबद पर लगा हुआ फिनियल (शिखर) एक लोहे की छड़ पर टिका हुआ है

तानाशाही आपातकाल पर बोले शिवराज सिंह चौहान

कांग्रेस संविधान की हत्यारी है, तानाशाही उसके डीएनए में है...

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आपातकाल के दौरान अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि मैंने जेल में बहुत सारे अमानवीय अत्याचार देखे। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र का इतना काला दौर था कि मैं अभी भी हैरान हूं कि ऐसा वास्तव में हुआ था। कोई इतना बड़ा पाप और अन्याय कैसे कर सकता है? वाराणसी में भाजपा नेता ने कहा कि उस समय मेरी उम्र 16 साल थी और मैंने 10वीं पास कर ली थी। 1974 में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और दोषपूर्ण शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ लोकनायक जयप्रकाश नारायण का आंदोलन चल रहा था। मैं इससे जुड़ा हुआ था और चूंकि मैं अपने स्कूल का अध्यक्ष भी था, इसलिए मैं उस

आंदोलन में शामिल हो गया। शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा कि मैं 'आपातकाल हटाओ' और 'इंदिरा तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' के पर्चे बांटता था। आपातकाल के आखिरी नौ महीनों में 9 अप्रैल को पुलिस को इसकी भनक लग गई। वे मेरे घर आए, मुझे थप्पड़ मारे और ऐसी गालियां दीं कि मैं दोहरा भी नहीं सकता। वे मुझे सीढ़ियों से घसीटकर नीचे लाए और पुलिस स्टेशन ले गए। उन्होंने मेरे घुटनों और कोहनियों पर इतनी बुरी तरह मारा कि आज भी उनमें दर्द होता है। उन्होंने मुझे पूरी रात प्रताड़ित किया और फिर सुबह उन्होंने मुझे हथकड़ी लगाई और मजिस्ट्रेट के पास ले गए, जिन्होंने मुझे जेल भेजने के लिए कागजों पर हस्ताक्षर कर दिए। भाजपा नेता ने दावा किया कि जब मुझे हथकड़ी-बेड़ी में पैदल जेल ले जाया जा रहा था, तो रास्ते से गुजर रहे कुछ बच्चों ने मुझे देखा और कहा कि मैं जरूर चोर हूँ। जब मैंने 'चोर' शब्द सुना, तो मेरी अंतरात्मा रो पड़ी।

> शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा कि मैं 'आपातकाल हटाओ' और 'इंदिरा तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' के पर्चे बांटता था। आपातकाल के आखिरी नौ महीनों में 9 अप्रैल को पुलिस को इसकी भनक लग गई।

मैंने अकेले ही नारे लगाने शुरू कर दिए कि 'जुल्म के आगे नहीं झुकूंगा, जुल्म किया तो और लडूंगा'... जब मैं भोपाल सेंट्रल जेल पहुँचा, तो मैं बाहर से नारे लगा रहा था और जो लोग पहले से जेल में बंद थे, वे जेल के अंदर से नारे लगा रहे थे। मैंने उस जेल में ही मन बना लिया था कि मैं अपने लिए नहीं जीऊँगा। मुझे देश और समाज के लिए कुछ करना है। उन्होंने कहा कि देश आपातकाल की क्रूर कथा कभी न भूले, इसलिए संविधान हत्या दिवस मनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान की हत्यारी है। तानाशाही उसके डीएनए में है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का अपमान करने वाली कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। आज जो लोग संविधान लेकर घूमते हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्हीं के पुरखों ने सत्ता में बने रहने के लिए देश में लोकतंत्र को रौंदने का काम किया था।

आरोपी का टीएमसी से कोई संबंध नहीं, कोलकाता रेप मामले पर बोलीं मंत्री, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की

> मंत्री ने दावा किया कि भाजपा सोच भी नहीं सकती कि कोलकाता पुलिस ने जिस तरह से कार्रवाई की। उन्होंने बदनाम करना शुरू कर दिया... अगर वे बंगाल में एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में रहना चाहते हैं, तो उन्हें जिम्मेदारी से व्यवहार करना होगा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कोलकाता में कथित सामूहिक बलात्कार मामले पर पश्चिम बंगाल के मंत्री शशि पांजा ने कहा कि नाम और धर्म जानने के लिए तत्काल पोस्टमार्टम और शव विच्छेदन किया गया। आपको घटना की निंदा करनी चाहिए। अब आप तस्वीरें दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा छात्रों को बलात्कार करना नहीं सिखा रही है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और शिकायत के 12 घंटे के भीतर तीन लोगों को पकड़ लिया गया। वे हिरासत में हैं और जांच जारी है। उनके मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं और पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया गया है। उसने आरोपी का नाम बताया है। इसे गंभीरता से लिया गया है। मंत्री ने दावा किया कि भाजपा सोच भी नहीं सकती कि कोलकाता पुलिस ने जिस तरह से कार्रवाई की। उन्होंने बदनाम करना शुरू कर दिया... अगर वे बंगाल में एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में रहना चाहते हैं, तो उन्हें जिम्मेदारी से व्यवहार करना होगा। उन्होंने कहा कि कोलकाता पुलिस के पास जब 12 घंटे के अंदर शिकायत पहुंची तो पुलिस ने तुरंत 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें पुलिस हिरासत में ले लिया। अभी जांच चल रही है।

सम्पादकीय

दम तोड़ते दिख रहे माओवादी, लेकिन समर्थक शांत होने का नाम नहीं ले रहे

मोदी सरकार ने माओवाद के खात्मे के लिए दो मोर्चों पर एक साथ काम शुरू किया। हथियार उठाने वालों के लिए जहां गोली का जवाब गोली से देने की नीति अपनाई, वहीं माओवादियों के सरेंडर और उनके सामाजिक पुनरुत्थान पर जोर दिया। पिछड़े इलाकों में सड़कें और रेलवे लाइन पहुंचाई गईं। मोदी सरकार ने प्रभावित इलाकों में स्कूल बनाने और विकास योजनाओं को गति देने पर जोर दिया ।हर शासक का असल मूल्यांकन इतिहास करता है। मोदी सरकार का भी करेगा। लोकतांत्रिक भारत की सत्ता के केंद्र अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बने हुए हैं, तो इसकी वजह उनकी कई उपलब्धियां भी हैं। मोदी के शासन की सफलताओं में से एक है देश से वामपंथी उग्रवाद का लगभग सफाया ।मोदी सरकार माओवादी आतंक के खात्मे के लक्ष्य पर शुरू से ही काम करती रही है, लेकिन अमित शाह के गृहमंत्री बनने के बाद इसमें तेजी आई है। इसका असर अब दिखने लगा है। माओवादियों के पांव उखड़ रहे हैं, वे सरेंडर करके सामाजिक मुख्यधारा में लौट रहे हैं, लेकिन सियासी जुबान में माओवाद की गूंज सुनाई देती रहती है। पहले नक्सली कहे जाने वाले माओवादी भी अभी पूरी तौर पर पस्त नहीं हुए हैं। उनसे वैचारिक स्तर पर भी लड़ने की जरूरत है ।1925 में विरोधी वैचारिक छोर पर खड़े दो संगठनों का जन्म हुआ। राष्ट्रवाद के ध्येय के साथ विजयदशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गठन हुआ तो लगभग तीन माह बाद दिसंबर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ वर्षों की यात्रा में कम्युनिस्ट आंदोलन कमजोर होता गया, जबकि संगठन और विचार के स्तर पर संघ विराट वृक्ष बन चुका है। आजादी के बाद ही आंध्र प्रदेश में हथियारबंद कथित कम्युनिस्ट क्रांति शुरू हो गई थी, लेकिन इसे गति 1970 के दशक की शुरूआत में बंगाल के नक्सलबाड़ी से मिली। चीनी कम्युनिस्ट नेता माओत्से तुंग का कहना था कि सत्ता बारूद से निकलती है। नक्सल आंदोलन ने दो तरह से अपना प्रभाव बढ़ाया। शैक्षिक संस्थानों और वैचारिक प्रतिष्ठानों में इस वैचारिकी ने बौद्धिक जड़ें जमाईं तो दूसरी तरफ खेतों और जंगलों में खूनी क्रांति का सपना पूरा करने के लिए नौजवान हाथों ने हथियार थाम लिए। धीरे-धीरे वैचारिक प्रतिष्ठानों में इस विचार का वैचारिक प्रभाव तो बढ़ा ही, जंगलों, पिछड़े और आदिवासी इलाकों में हथियारबंद संगठनों का असर बढ़ा। हथियारबंद आंदोलन की पहले जो नक्सलवादी पहचान थी, उसे माओवादी के रूप में जाना जाने लगा। जंगलों और आदिवासी क्षेत्रों में हथियारबंद आंदोलन जहां खूंखार होता गया, वहीं उसे वैचारिक कवच वैचारिक प्रतिष्ठानों के बौद्धिकों से मिलने लगा।

आज का विचार

सारी दुनियाँ कहती है
कि हार मान लो लेकिन दिल कहता है
कि एक बार और कोशिश करो,
तुम ये जरूर कर सकते हो

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशि : करियरः राजनीति के क्षेत्र में हैं, वो लोग आज किसी सभा में जायेंगे, जहां अपने संबोधन से जनमानस में नयी उमंग भर देंगे. बिजनेसः आपके अंदर उत्साह होगा आप काम करने का नया टारगेट बनायेंगे.धनः काफी दिनों से रुका कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो जायेगा.

वृषभ राशिः करियरः काम को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे. जिस भी काम की शुरूआत करेंगे वह समय से पूरा होगा. बिजनेसः बिजनेस में आज आपको उम्मीद से ज्यादा लाभ होगा इसके साथ ही आपके खर्च भी बढ़ सकते हैं. धनः आपको कोई ऐसी चीज मिलेगी जिसकी चाह आपको काफी दिनों से थी.

मिथुन राशि : करियरः जो महिलाएं वर्क फ्रॉम होम करती हैं, उनके लिए आज दिन व्यस्तता से भरा रहेगा. बिजनेसः प्रॉपर्टी के सौदे में जरुरी कागज जांच लें.धनः पुराने निवेश अच्छे परिणाम दे सकते हैं.स्वास्थ्यः स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा.

कर्क राशिः करियरः काफी वर्षों की गई मेहनत का फल आपको मिलेगा, आपको खुशी व काम करने का नया हौसला मिलेगा. बिजनेसः इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स मिल सकते हैं.धनः बजट बिगड़ सकता है. धन संचय करें.स्वास्थ्यः मानसिक शांति के सरलता को चुनें.

सिंह राशि : करियरः कोई खास बदलाव आपके काम को लेकर या करियर को लेकर हो सकता है. बिजनेसः जो लोग स्टील का बिजनेस करते हैं उनके लिए ज्यादा लाभ के योग हैं. धनः काम के प्रेशर को कम करने के लिए आप अपने सहयोगियो से सलाह मशवरा भी ले सकते हैं. धन लाभ के योग हैं.

कन्या राशिः करियरः काफी दिनों से चल रहा कोई वर्क कम्पलीट हो जायेगा, आपकी टेंशन कम होगी. बिजनेसः अनजान व्यक्ति से आप जीवन की कुछ महत्वपूर्ण बातें सीखेंगे जिसका आपके जीवन और करियर पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा. धनः आपका धन को लेकर कोई अधूरा काम आपके सहयोगी की सहायता से पूरा हो जाएगा.

तुला राशि : करियरः इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा. स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. बिजनेसः जो लोग व्यापार के क्षेत्र से जुड़े हैं उनको काम के सिलसिले में लम्बी यात्रा के योग है

वृश्चिक राशि : करियरः जो भी काम आप कई दिनों से टाल रहे थें, आज निपटा लेंगे बिजनेसः आप किसी काम के बारे में नये सिरे से सोच सकते हैं. मार्किट में किसी तरह का निवेश करने जा रहे हैं,तो पूरी तरह से रिसर्च के बाद ही निवेश करें.

धनु राशिः करियरः जो लोग लंबे समय से नौकरी की तलाश में हैं, उनकी तलाश आज पूरी होने के संकेत हैं. बिजनेसः आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, उसे समय रहते पूरा कर लें, आपके लिये अच्छा रहेगा.

मकर राशिः करियरः शुरूआत में आपको लगेगा कि आपके काम अधूरा रह जाएगा, लेकिन शाम होते-होते काम पूरा हो जायेगा. जो लोग सरकारी नौकरी में हैं, उनके लिए दिन ठीक रहने वाला है.

कुंभ राशिः करियरः किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है. आने वाले समय में वह आपके लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा. बिजनेसः जो लोग टूर एंड ट्रैवल के बिजनेस से जुडे हैं, उनके लिए दिन अच्छा रहने वाला है.

मीन राशिः करियरः जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनके लिए दिन बहुत-सी तरक्की दिलाने वाला रहेगा. आपकी पार्टी आपको कोई बड़ा पद भी दे सकती है। जनता के बीच आपका मान सम्मान भी बढ़ेगा. बिजनेसः जो लोग ऑर्गेनिक कृषि से जुडे हैं, उनको अच्छा लाभ होगा धनः आपके मन में नये-नये विचार आयेंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे, इससे पैसा कमाने का रास्ता भी दिखेगा. स्वास्थ्यः कमजोरी मेहसूस हो सकती है. शिक्षाः फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स आज गुरुजनों के सहयोग से खुद के सपनों को पूरा करने में मदद मिलेगी.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भविष्य की आधारशिला रखने वाला मिशन एक्सिओम-4

अंतरिक्ष में मूल्यवान संसाधनों का भंडार भी छिपा है। इस संदर्भ में मंगल और बृहस्पति के बीच स्थित क्षुद्रग्रह (एस्टेरायड) बेल्ट सर्वाधिक संपन्न है। इनमें प्लेटिनम, सोना, कोबाल्ट, लीथियम जैसे वैसे दुर्लभ संसाधन हैं, जो बैटरी, इलेक्ट्रानिक्स और स्वच्छ ऊर्जा तकनीक जैसी आधुनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में बेहद महत्वपूर्ण हैं।

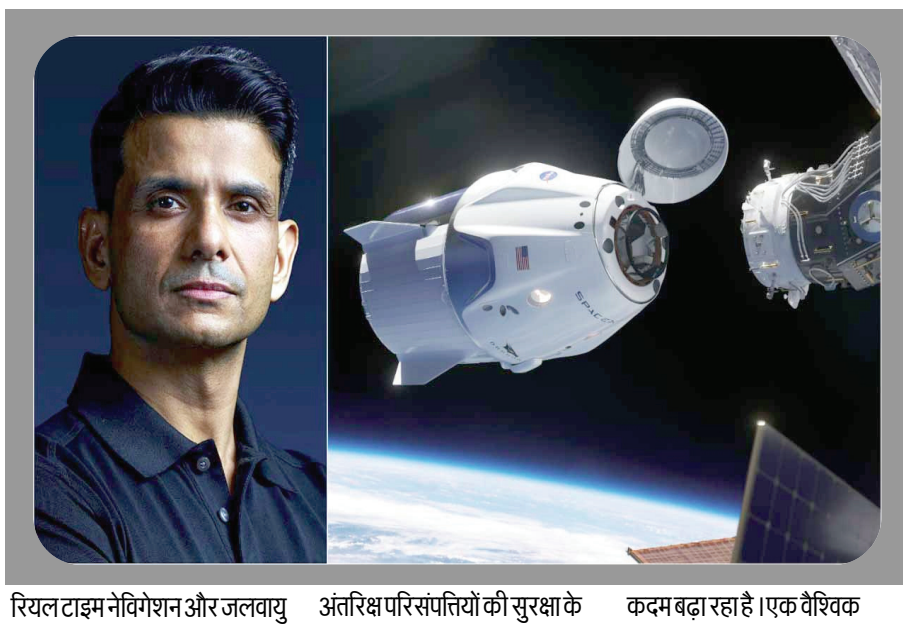

पा भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन-आइएसएस में दाखिल होकर एक नया इतिहास रचा। वह एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा हैं। यह मिशन नासा, इसरो और यूरोपियन स्पेस एजेंसी का समन्वित प्रयास है। इस मिशन के दौरान 60 वैज्ञानिक परीक्षण किए जाएंगे। इन परीक्षणों में 31 देशों का योगदान होगा, जिनमें सात परीक्षणों में इसरो की सक्रिय भूमिका है। ये परीक्षण माइक्रोबायोलाजी, बायोटेक्नोलाजी, पदार्थ विज्ञान, मानव शरीर विज्ञान एवं अंतरिक्ष तकनीक जैसे विविध विषयों से जुड़े हैं। यह मिशन अंतरिक्ष अन्वेषकों को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन तक ले जाने, प्रवास या अंतरिक्ष में प्रयोग-परीक्षण करने तक ही सीमित नहीं। इसमें उस भविष्य की कुंजी निहित है, जिसमें अंतरिक्ष केवल अन्वेषण का ही एक केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह व्यापक रणनीतिक एवं आर्थिक मोर्चे के रूप में भी स्थापित होगा। यह स्पष्ट है कि आने वाले दशकों में अंतरिक्ष भूराजनीति, वैश्विक शक्ति समीकरण और आर्थिक वृद्धि को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। चाहे उपग्रह संचार से लेकर रक्षा प्रणालियों का मामला हो या संसाधन उत्खनन से अंतरिक्ष पर्यटन का विषय, उनमें देशों की अंतरिक्ष क्षमताएं ही यह निर्धारित करेंगी कि कौन देश इसमें बढ़त बनाएगा और कौन अनुसरण करेगा। अंतरिक्ष में नियंत्रण का अर्थ है संचार पर नियंत्रण? यह स्थिति युद्ध और टकराव में बहुत उपयोगी साबित होती है। सैटेलाइट नेटवर्क की महत्ता तो सैन्य संचार से लेकर रियल टाइम नेविगेशन और जलवायु निगरानी के मोर्चे पर पहले ही सिद्ध हो चुकी है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका उदाहरण है। जब रूस ने यूक्रेन के संचार ढांचे को तबाह कर दिया तब एलन मस्क की स्टारलिंक सैटेलाइट सुविधा ही यूक्रेन के काम आई। आधुनिक समर नीति में भी अंतरिक्ष एक महत्वपूर्ण पहलू है। सशक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम वाले देशों को स्वाभाविक रूप से सामरिक बढ़त मिलती है। ईरान-इजरायल के हालिया युद्ध में भी इसका प्रमाण दिखा, जहां ईरान की कई बैलिस्टिक मिसाइलों को इजरायल के एयरो-3 डिफेंस सिस्टम ने पृथ्वी के वायुमंडल की सीमा से बाहर ही निष्प्रभावी कर दिया। यह दर्शाता है कि अंतरिक्ष परिसंपत्तियों पर नियंत्रण कैसे आधुनिक समर नीति को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है। बीते दिनों भारत के आपरेशन सिंदूर में भी सैटेलाइट कैमरों की उपयोगिता दिखी, जिन्होंने लक्ष्यों को चिह्नित करने और नुकसान के आकलन में अहम भूमिका निभाई। इन्हीं पहलुओं को देखते हुए अमेरिका ने अपनी अंतरिक्ष परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए स्पेस फोर्स नाम से एक अलग सैन्य इकाई का गठन किया है। भारत भी इस संकल्पना को साकार करने की दिशा में बढ़ने जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी अंतरिक्ष नया अखाड़ा बन रहा है। अंतरिक्ष पर्यटन अब कोई कपोल-कल्पना नहीं। कुछ कंपनियों-संगठनों ने अंतरिक्ष यात्रियों के लिए सेवाएं शुरू कर दी हैं। इसरो भी इस दिशा में काम कर रहा है और उसकी 2030 तक अंतरिक्ष पर्यटन शुरू करने की योजना है। 2030 तक वैश्विक अंतरिक्ष पर्यटन कारोबार के 85,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। चूंकि भारत की पहचान विश्वसनीय और किफायती प्रक्षेपण क्षमताओं वाले देश की है, इसलिए यह मानने के अच्छे भले कारण हैं कि इस बाजार में उसे बड़ा हिस्सा प्राप्त होने वाला है। विस्तार ले रही अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में वही देश बाजी मारने में सफल हो सकते हैं, जो मनुष्यों से लेकर मशीनों को अपने दम पर अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम होंगे। ऊंचे दांव वाली इस होड़ में भारत बिल्कुल सटीक मौके पर कदम बढ़ा रहा है। एक वैश्विक अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा में एक्सिओम-4 मिशन एक मील का पत्थर है। सीधे तौर पर इसका सरोकार भारत के गगनयान कार्यक्रम से जुड़ा है, जिसके अंतर्गत स्वदेश निर्मित यान के जरिये भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की कक्षा में भेजने की योजना है। यह 2027 तक संभव हो सकता है। हालांकि भारत के इरादे इससे कहीं ज्यादा बड़े हैं। भारत का लक्ष्य वर्ष 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन-बीएएस के रूप में अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना है। यह केंद्र अत्याधुनिक शोध-अनुसंधान, नवाचार एवं लंबी अवधि वाले मिशन के लिए एक मंच की भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही भारत अंतरिक्ष में स्थायी मानवीय उपस्थिति वाले चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा। एक्सिओम-4 मिशन के दौरान लाइफ साइंस, कक्षीय परिचालन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के मोर्चे पर सीखे जाने वाले सबक बीएएस के डिजाइन और संचालन ढांचे को आकार देने में अहम भूमिका निभाएंगे। अंतरिक्ष में मूल्यवान संसाधनों का भंडार भी छिपा है। इस संदर्भ में मंगल और बृहस्पति के बीच स्थित क्षुद्रग्रह (एस्टेरायड) बेल्ट सर्वाधिक संपन्न है। इनमें प्लेटिनम, सोना, कोबाल्ट, लीथियम जैसे वैसे दुर्लभ संसाधन हैं, जो बैटरी, इलेक्ट्रानिक्स और स्वच्छ ऊर्जा तकनीक जैसी आधुनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में बेहद महत्वपूर्ण हैं। पृथ्वी पर सिकुड़ते संसाधनों को देखते हुए भविष्य की आर्थिकी में अंतरिक्ष खनन का महत्व बढ़ेगा। समझ लीजिए कि संपूर्ण विश्व का सकल घरेलू उत्पाद-जीडीपी करीब 100 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर है तो केवल क्षुद्रग्रह बेल्ट की हैसियत ही दुनिया के उत्पादन से करीब 8,000 गुना अधिक है। यानी वहां मौजूद खनिजों का मूल्य इतना अधिक है कि पूरी दुनिया अगली 80 शताब्दियों तक कमाई के जरिये ही उसकी बराबरी कर पाएगी। जो देश इन इलाकों में सबसे पहले पहुंचकर उसके कुछ हिस्से पर अपना नियंत्रण स्थापित करेंगे, वही भविष्य के उद्योगों की आवश्यकताओं की आपूर्ति के चक्र को नियंत्रित कर सकेंगे। वे कीमतों के निर्धारण, नए उद्यमों की स्थापना और वैश्विक बाजारों को आकार देंगे। यही वजह है कि अंतरिक्ष में पैठ भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। अपनी क्षमताओं और महारत से भारत विभिन्न देशों के साथ साझेदारी और प्रशिक्षण के जरिये अंतरिक्ष में विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का नेतृत्व कर सकता है। यह रणनीति कूटनीतिक संबंधों को प्रगाढ़ करने के साथ ही अंतरिक्ष अन्वेषण को भी कहीं अधिक समावेशी एवं न्यायसंगत बनाएगी।

आत्म मानसिक बल की ऊर्जा और लक्ष्य प्राप्ति की उपादेयता

संजीव ठाकुर

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है बड़ी

सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं ।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा, आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था ।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता है अन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता

बेटियों के लिये मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

ललित गर्ग

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है ।ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। ह्यद इकोनॉमिस्टह्व द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है ।ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व, ह्यसुकन्या समृद्धि योजनाह्व जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं।

जिलाधिकारी ने कलेक्टेज्ट परिसर में एक अत्याधुनिक समागार कक्ष के सुदृढ़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य का फीता काटकर किया लोकार्पण

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ के द्वारा शुक्रवार को महाकुम्भ-2025 योजनान्तर्गत कलेक्टेज्ट परिसर स्थित संगम सभागार में कराये गये सुदृढ़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य का दीप प्रज्जवलन, विधिवत पूजा-पाठ एवं मंत्रोच्चार के साथ फीता काटकर लोकार्पण किया गया। उपरोक्त कार्य, कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा कराया गया, जिसकी लागत 105.49 लाख रुपए जीएसटी सहित है। परियोजना में पुराने हाल का नया फर्श, टाइलिंग, नई सेंटर टेबल, कुर्सिया, कैसेट एयर कंडीशन, वॉल पैनलिंग, किचन, शौचालय की मरम्मत तथा विद्युतीकरण सहित अन्य नवीनीकरण के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराया गया। अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग श्री सत्य प्रकाश मिश्र के द्वारा बताया गया कि पुराने दरवाजे व खिडकियों को हटाकर उनके स्थान पर नये इलेक्ट्रिक लाइट फिटिंग दरवाजे-खिड़की, वीडियो

कांफ्रेंस हेतु वाइफाई से युक्त 6 टीबी सेट, पी0टी0जेड0 कैमरा सहित खिडकियों पर ब्लेन्डिंग एवं कोरियन मार्बल टाप से युक्त आधुनिक टेबल एवं वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा हेतु 50 माइक सिस्टम की स्थापना कराते हुए कलेक्टेज्ट परिसर में एक अत्याधुनिक सभागार कक्ष उच्चीकृत कर तैयार कराया गया है।

देश की अर्थव्यवस्था में स्टार्टअप का महत्वपूर्ण योगदान:नन्दी

एमएसएमई दिवस पर ईस्टर्न यूपी चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित समारोह में सम्मिलित हुए मंत्री नन्दी

- उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और रोजगार सृजन की प्रयोगशाला
- युवाओं ने नए-नए स्टार्ट अप से अपने सपनों को उड़ान दी
- आज देश में सबसे ज्यादा जीआई टैग प्रोडक्ट्स उत्तर प्रदेश के हैं
- औद्योगिक इकाइयों को किया सम्मानित

भारत संवाद

अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर होटल कान्हा श्याम प्रयागराज में ईस्टर्न यूपी चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मंत्री नन्दी ने एमएसएमई दिवस के अवसर पर जनपद प्रयागराज में स्थापित विभिन्न औद्योगिक इकाईयों को सम्मानित किया, जो डबल इंजन सरकार के साथ उद्यम एवं उद्यमिता को आगे बढ़ा रहे हैं। मंत्री नन्दी ने जनपद प्रयागराज में स्थापित औद्योगिक इकाईयों गुरूराज रेडियेटर नैनी, मेरी फूड्स, केडी सांई इलेक्ट्रिकल्स नैनी, आरएफ टेक्नोलॉजी, पंखुड़िया, तरूण इंटर प्राइजेज, श्रेय इंजीनियरिंग वर्क्स, आरडी आउटडोर मीडिया, मदन आयुवेर्दा, त्रिवेणी इलेक्ट्रो प्लास्टिक लिमिटेड, इकावो एग्रो (नन्दी ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज), वरूण बेवरेजेज, श्री हॉक इंटरप्राइजेज को सम्मानित किया।मंत्री नन्दी ने कहा कि उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। रोजगार सृजन की प्रयोगशाला है। भारत प्राचीन समय से ही कुटीर उद्योग और हस्तशिल्प का गढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छोटे, मध्यम और मझोले उद्योगों को पहले दिन से विशेष प्रोत्साहन दिया है। यही कारण है कि आज हम दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बने हैं। उद्योग केवल कुछ घरानों से आगे बढ़कर आम आदमी की पहुँच के दायरे में आया है। स्टार्ट अप इण्डिया, मेक इन इण्डिया,

मुद्रा योजना, आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं के अन्तर्गत एमएसएमई सेक्टर के लिए संभावनाओं के अनन्त द्वार खुले हैं। विशेष रूप से युवाओं ने इनोवेशन माध्यम से नए-नए स्टार्ट अप से अपने सपनों को उड़ान दी है।मंत्री नन्दी ने कहा कि आज भारत में 118 से ज्यादा यूनिकॉर्न स्टार्ट अप हैं। जो यह दिखाता है कि देश की अर्थव्यवस्था में स्टार्ट अप्स का कितना महत्वपूर्ण योगदान है।मंत्री नन्दी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हमारी सरकार ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो जैसे वैश्विक आयोजनों की शुरूआत की। जिससे टरटए सेक्टर के स्थानीय उत्पादों को अंतराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध हुआ है।प्रयागराज के अमरुद, मूँज प्रोडक्ट, लखनऊ की चिकनकारी, कन्नौज की इत्र जैसे स्थानीय उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ी है। आज देश में सबसे ज्यादा जीआई टैग प्रोडक्ट्स उत्तर प्रदेश के हैं ! यह हमारे टरटए सेक्टर की प्रगति का प्रमाण है !

फास्ट ट्रैक

थानाकोतवाली कटरा जनपद मीरजापुर द्वारा 16 गुमशुदा मोबाइल (कीमत करीब दो लाख पचास हजार रुपए) को बरामद कर मोबाइल स्वामियों को किया गया सुपुर्द

भारत संवाद

जनपद मीरजापुर में नागरिकों के गुमशुदा/खोये हुए मोबाइल फोन बरामदगी के क्रम में सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा चलाये गये विशेष अभियान के दृष्टिगत व अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के संरक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली कटरा एवं साइबर सेल थाना कोतवाली कटरा मीरजापुर द्वारा गुमशुदा मोबाइल धारकों के गुमशुदा मोबाइलों की शिकायतें सी0ई0आई0आर पोर्टल पर आनलाइनदर्ज की जाती थी तथा गुमशुदा मोबाइलों के प्रार्थना पत्रों/सीईआईआर पोर्टल के आधार पर साइबर सेल थाना कोतवाली कटरा मीरजापुर पुलिस टीम द्वारा अप्रैल व मई माह में भिन्न-भिन्न थाना क्षेत्र से पीड़ितों के गुम हुए 16 मोबाइलो को दिल्ली, झारखण्ड, बिहार, मध्य-प्रदेश राज्यो व जनपद मीरजापुर सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बरामद किया गया । बरामद मोबाईलों में मुख्यतः वन प्लस, सैमसंग, वीवो, रेडमी, आईक्यू, ओप्पो व रियलमी कम्पनी की मोबाइल है, जिनका बाजार मूल्य लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये है । बरामद मोबाइल को क्षेत्राधिकारी नगर के प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली कटरा जनपद मीरजापुर की उपस्थिति में मोबाइल स्वामियों को वितरित किया गया । अपना खोया मोबाइल पाकर सभी मोबाइल धारक काफी सन्तुष्ट व खुश दिखे ।

सदस्य राज्य महिला आयोग की अध्यक्षता में जिला महिला अस्पताल में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का किया गया आयोजन

भारत संवाद

मीरजापुर 2025- जिला महिला अस्पताल में मा0 सदस्य राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश श्रीमती नीलम प्रभात की अध्यक्षता में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नवजात बच्चियों के हाथों से केक काट कर उनका जन्म उत्सव मनाया गया व उन्हें उपहार स्वरूप बेबी नेट बेड व बेबी किट दिया गया। मा0 सदस्य ने महिला अस्पताल का भ्रमण कर निरीक्षण तथा उपस्थित चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। महिला सशक्तिकरण हब कार्मिकों द्वारा नवजात बच्चियों का कन्या सुमंगला में तत्काल आवेदन करने हेतु अभिभावकों को आवेदन प्रक्रिया से अवगत कराया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी द्वारा बच्चियों के माता-पिता व अभिभावक को कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पांसरशीप योजना व अन्य विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें वह आवेदन करके लाभ प्राप्त करें व महिला कल्याण विभाग द्वारा जो भी योजनाएं चल रही हैं उसका पंपलेट वितरण किया गया बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का लोगो (प्रतीक चिन्ह) चस्पा किया गया। मा0 सदस्य द्वारा अस्पताल के प्रांगण में अस्पताल में जन्म ली हुई बच्चियों के नाम से अमरूद का वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में जिला महिला अस्पताल से प्रभारी महिला चिकित्सालय, डा आशुतोष चाईल्ड स्पेशलिस्ट, डाक्टर, नर्स एवं महिला कल्याण विभाग से डॉ मंजू यादव, पूजा मौर्य, दिव्या जायसवाल, शालिनी, सीता सिंह, मोनू आदि के साथ आम जन मानस उपस्थित रहें।

लोकतन्त्र को मजबूत करने मे युवाओं की भागीदारी निर्णायक सिद्ध हो रही है

लोकतंत्र को और अधिक मजबूत व सशक्त करने का यही समय है, सही समय है।

- उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कानपुर मे आयोजित माक पार्लियामेंट मे लोकतन्त्र सेनानियों को किया सम्मानित।

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लोकतन्त्र को मजबूत करने मे युवाओं की भागीदारी निर्णायक सिद्ध हो रही है।लोकतंत्र को और अधिक मजबूत व सशक्त करने का यही समय है,सही समय है। देश के प्रत्येक नागरिक के खून मे लोकतन्त्र समाया हुआ है। लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल लगाकर संविधान का दुरूपयोग करने का माकूल जवाब दिया था। 25 जून 1975 को आपातकाल थोपकर नागरिक अधिकारो का हनन किया गया था। वह दुर्भाग्यपूर्ण कालखण्ड था। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के बी टेक आडीटोरियम मे आयोजित माक पार्लियामेंट को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे।उन्होंने इस अवसर पर लोकतन्त्र सेनानियों को सम्मानितकिया।इस अवसर पर उन्होंने बी. टेक. ऑडिटोरियम, में भारतीय संविधान के प्रति जागरूक करने वाली लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।उप मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन मे कहा कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में जब युवा शक्ति सोचती है, तो देश की दिशा और दशा बदल जाती है। यह जागरूकता, यह चेतना, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक जन आंदोलन का स्वरूप ले चुकी है, जिसमें लोकतंत्र के प्रति युवाओं की भागीदारी निर्णायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि लोकतंत्र को अटल व अमर रखने के लिये युवा हमेशा आगे बढ़कर अपना योगदान दें।

उन्होने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों द्वारा दिखाये गये साहस व शौर्य की चर्चा करते हुये कहा कानपुर की धरती क्रान्ति व सकारात्मक विचारों की धरती है। अपने सम्बोधन मे श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लोकतान्त्रिक व संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिये डबल इन्जन सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।कहा कि हमारा संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान है।

9 स्थानों पर एक साथ मॉक संसद का भव्य आयोजन

भारत संवाद

लखनऊ , भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष MLC प्रांशु दत्त द्विवेदी के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश के लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, गाजियाबाद, अलीगढ़, बरेली, झांसी, कानपुर और मेरठ सहित कुल 9 स्थानों पर एक साथ मॉक संसद (Mock Parliament) का भव्य आयोजन किया गया।

लखनऊ स्थित एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, बक्शी का तालाब, सीतापुर रोड पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के सहकारिता मंत्री जे.पी.एस. राठौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने सारगर्भित भाषण में युवाओं से कहा, आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था। इसने न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचला, बल्कि संविधान और मौलिक अधिकारों को भी ताक पर रख दिया। युवाओं का यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि आज की पीढ़ी लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्री राठौड़ ने कहा, 1975 का आपातकाल सत्ता के मोह और न्यायिक अवमानना का दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण था। युवाओं को चाहिए कि वे इस ऐतिहासिक भूल को स्मरण रखते हुए संविधान की रक्षा में सदैव सजग रहें।

भाजपा प्रदेश महामंत्री अवध क्षेत्रीय प्रभारी श्री संजय राय ने कहा,

ने मॉक संसद की कार्यवाही के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा आपातकाल की निंदा करते हुए एक विशेष प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसके उपरांत सत्ता पक्ष के प्रतिभागियों ने आपातकाल के विरुद्ध तथा विपक्षी पक्षकारों ने आपातकाल के पक्ष में अपने विचार प्रकट किए। सत्तापक्ष ने इस काले अध्याय को लोकतंत्र पर आघात बताया, वहीं विपक्ष ने इसे कठिन समय का कठिन निर्णय कहकर बचाव करने का प्रयास किया। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रांशु दत्त द्विवेदी ने कहा लंबी और गंभीर बहस के पश्चात ध्वनि मत से प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें आपातकाल की कड़ी निंदा की गई और संकल्प लिया गया कि भविष्य में किसी भी परिस्थिति में लोकतंत्र के मूल्यों से समझौता नहीं किया जाएगा।

कार्यक्रम समापन के बाद Mock Parliament के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित भाजपा टू पवन सिंह सेगर, भाजपा प्रदेश महामंत्री वरुण गोयल, प्रदेश मंत्री अमल खटीक, जी

भाजयुमो प्रदेश मीडिया प्रभारी धनंजय शुक्ला ने बताया

भाजयुमो क्षेत्रीय अध्यक्ष नितिन मित्तल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सनी श्रीवास्तव, अर्पित मिश्रा, मनीषा, सुधा पाठक को लगाया गया था।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत दो नाबालिग बालिकाओं को रेस्क्यू कर सुरक्षित चाइल्ड लाइन को सौपा

भारत संवाद

प्रयागराज, प्रयागराज मंडल में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत दो अलग-अलग मामलों में नाबालिग बालिकाओं को सुरक्षित रेस्क्यू कर चाइल्ड लाइन प्रयागराज के सुपुर्द किया गया।

इसी क्रम में

1. दिनांक 26 जून 2025 को हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से मिली सूचना मिली कि गाड़ी संख्या 12487 के कोच इ-3 में एक नाबालिग बालिका यात्रा कर रही थी। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या 03 पर गाड़ी के आगमन पर उप निरीक्षक गौरव व महिला कांस्टेबल कुसुम देवी द्वारा वाणिज्य और जीआरपी स्टाफ के सहयोग से कोच अटेंड किया गया। पूछताछ पर लड़की ने अपना नाम सोनम पांडे और बताया कि माता-पिता द्वारा जबरन विवाह तय किए जाने के कारण वह घर से भाग आई थी। उसे RPF पोस्ट लाकर देखभाल के बाद चाइल्ड लाइन की सुपरवाइजर नीतू शुक्ला को सुपुर्द किया गया।

2. दिनांक 27 जून 2025 को प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर उप निरीक्षक नितिन और प्रधान आरक्षी प्रवीण कुमारी को गस्त के दौरान एक 16 वर्षीय लड़की मिली। उसने अपना नाम अंजली गौतम, निवासी जनपद जौनपुर बताया और घर से झगड़कर आने की बात कही। उसे भी RPF पोस्ट पर लाकर आवश्यक प्रक्रिया के बाद चाइल्ड लाइन प्रयागराज को सौंपा गया।

दोनों मामलों में रेलवे सुरक्षा बल ने त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई करते हुए बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की। उत्तर मध्य रेलवे, ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते अभियान के तहत हर असहाय नाबालिग की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय रेल सभी यात्रियों से अपील है कि यदि वे किसी भी नाबालिग को असहाय अवस्था में देखें, तो तुरंत फढऋ स्टाफ , रेल हेल्पलाइन 139 या अपने नजदीकी स्टेशन स्टाफ को सूचित करें

गौमाता की दुर्दशा पर प्रशासन सख्तः ग्राम प्रधान, सचिव एवं BDO निलंबित

ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य जी के गौमाता राष्ट्रमाता आंदोलन से प्रेरित जनप्रतिनिधियों का संघर्ष रंग लाया

भारत संवाद

जनपद प्रयागराज की ग्राम सभा भरवारी, तहसील मेजा में गौमाताओं की दयनीय स्थिति पर उठी आवाज को आज एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई। सामाजिक कार्यकर्ता श्री अमित पांडेय, नरनारायण सिंह वंशमणि पाण्डेय, शिव शंकर पाण्डेय विनोद मिश्रा, श्रीकांत शुक्ला नितिन पाण्डेय एवं अन्य ग्रामीणों द्वारा लगातार किए जा रहे जन-जागरूकता अभियान और प्रशासनिक ज्ञापनों के फलस्वरूप जिलाधिकारी महोदय ने ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव एवं खंड विकास अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।ज्ञात हो कि दिनांक 22 अप्रैल 2025 को दिए गए ज्ञापन में यह स्पष्ट किया गया था कि ग्राम की गौशाला में चारे, पानी और चिकित्सा के अभाव में अनेक गौमाताएं असमय मृत्यु को प्राप्त हो चुकी हैं, और शेष भी संकट में हैं। इसके पश्चात SDM द्वारा स्थलीय निरीक्षण भी किया गया जिसमें स्थिति की पुष्टि हुई, किंतु इसके बाद कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई थी।आज जिलाधिकारी द्वारा की गई कड़ी कार्यवाही से स्पष्ट है कि प्रशासन अब इस विषय को गंभीरता से ले रहा है।इस अभियान को प्रेरणा मिली है शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज के गौमाता राष्ट्रमाता आंदोलनह्व से, जिसने सम्पूर्ण भारतवर्ष में गोसंरक्षण की चेतना को जागृत किया है।

प्रयागराज ज. पर मोबाइल चोरी करने वाले एक शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

रेलवे सुरक्षा बल मिर्जापुर, द्वारा अवैध शराब के साथ दो अभियुक्तों को पकड़ा।

भारत संवाद

1. प्रयागराज मंडल के प्रयागराज ज. रेलवे स्टेशन पर यात्री सुरक्षा के तहत यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। उक्त शातिर अपराधी को दिनांक 26/06/2025 को प्रयागराज ज. रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर दिल्ली छोर की तरफ चोरी किए गए दो मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी सुभाष निषाद र/ड राकेश निषाद, सदिया पुर प्रयागराज का रहने वाला है। अभियुक्त के पास से बरामद दो मोबाइल जिसकी कीमत लगभग ? 45000/-बताई गई। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज श्री संजय कुमार द्वारा मुकदमा दर्ज कर जीआरपी प्रयागराज को सौपा गया। जीआरपी उप निरीक्षक उमेश राम हमराह ,जीआरपी प्रयागराज द्वारा बताया गया कि उक्त अभियुक्त सुभाष निषाद पर 14 अपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

2. रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों तथा रेल संपत्ति सुरक्षा के साथ-साथ गाड़ियों एवं रेलवे स्टेशन परिसर अनवरत एवं विविध अभियान चलाती रहती है प्रयागराज मंडल के मिजार्पुर रेलवे स्टेशन पर दिनांक 26/06/2025 को रेलवे सुरक्षा बल संयुक्त गस्त के दौरान प्लेटफार्म संख्या 2/3 के हावड़ा छोर की तरफ दो संदिग्ध व्यक्तियों को 46 बोतल अवैध शराब के साथ पकड़ा। अभियुक्तों के पास से बरामद अंग्रेजी शराब जिसकी कीमत रू-35000/-आंकी गई। पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने बताया कि बिहार प्रदेश में शराब बंदी होने के कारण यूपी से शराब खरीद कर ट्रेनों के माध्यम से ले जाकर वहां ज्यादा मूल्य में बेच कर ज्यादा पैसा कमाने के लालच मे तस्करी करते हैं। दोनों अभियुक्तों को शराब तस्करी के मामले में जीआरपी द्वारा गिरफ्तार करते हुए शराब बरामदगी के आधार पर जीआरपी थाना मिजार्पुर ने आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। इस मामले की जांच उप निरीक्षक श्री राम सिंह यादव जीआरपी थाना मिजार्पुर द्वारा की जा रही है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती

रथ यात्रा का हर पहिया, हर मोड़ और हर धक्का जीवन की यात्रा का दर्पण

भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा की देशवासियों को अनेकानेक शुभकामनायें

रथ यात्रा, भक्ति, सेवा और सनातन संस्कृति का दिव्य उत्सव

भारत संवाद

ऋषिकेश। भगवान जगन्नाथ जी की दिव्य रथ यात्रा के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन से सभी को शुभकामनायें देते हुये स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति की भव्य व दिव्य अनुभूतियों का उत्सव है।

भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा एक दिव्य आध्यात्मिक यात्रा है, जो हमें जीवन के सार की ओर ले जाती है। यह यात्रा हमें याद दिलाती है कि जीवन में स्थायित्व केवल ईश्वर के श्रीचरणों में है और यही सच्चा मोक्ष है। रथ यात्रा का हर पहिया, हर मोड़ और हर धक्का जीवन की यात्रा का दर्पण है। जब रथ आगे बढ़ता है, तो यह हमें सिखाता है कि जीवन की राह सरल नहीं होती, उसमें बाधाएं भी होती हैं, ठहराव भी, किंतु यदि समर्पण, सेवा और धैर्य के साथ हम आगे बढ़ें, तो हर चुनौती मार्ग बन जाती है।

रथ को खींचते हुए श्रद्धालु जिस शक्ति और भक्ति के साथ आगे बढ़ते हैं, वह यह दर्शाता है कि जब हम सामूहिक भाव से, निःस्वार्थ भावना से किसी कार्य में लगते हैं, तो असंभव भी संभव हो जाता है। मोड़ हमें लचीलापन सिखाते हैं, पहिए निरंतरता का प्रतीक हैं, और रथ को धक्का देना हमें यह स्मरण कराता है कि जीवन को गति देने के लिए पुरुषार्थ आवश्यक है।

यह रथ यात्रा हमें सिखाती है कि ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग भक्ति, करुणा, सेवा और धैर्य से होकर गुजरता है। जब हम इन मूल्यों को अपने जीवन का आधार बना लेते हैं, तब हमारा जीवन स्वयं एक रथ यात्रा बन जाता है।

श्री जगन्नाथ रथ यात्रा आत्मा की परमात्मा तक की यात्रा है। यह जीवन को रथ समझकर धर्म, भक्ति और सेवा के पहियों से चलने की प्रेरणा देती है। भगवान जगन्नाथ का रथ हमें यह सिखाता है कि जो अपने जीवन में प्रेम, करुणा और सेवा को अपनाता है, वही सच्चा रथी है।

आज की पीढ़ी तकनीक से जुड़ रही है और परंपराओं से दूर होती जा रही है। रथ यात्रा जैसे पर्व हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं। यह पर्व हमें हमारी संस्कृति, मूल्यों और आत्मिक चेतना से पुनः परिचित कराते हैं। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा केवल ओडिशा या पुरी की नहीं, यह पूरे भारतवर्ष की आध्यात्मिक चेतना का उत्सव है।

भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा बताती है कि परमात्मा स्वयं भक्तों के पास आते हैं। जब हम प्रेम और श्रद्धा से पुकारते हैं, तो वह साकार रूप में हमारे समीप आकर हमें अपने साथ यात्रा का सहभागी बनाते हैं। रथ यात्रा हमें यह भी सिखाती है कि जो स्वयं को रथ का चालक नहीं, बल्कि सेवक मानता है, वही जीवन की सच्ची दिशा को जान पाता है।

आज के समय में जब भौतिकता की दौड़ ने हमारे युवाओं को थका दिया है, ऐसे में यह दिव्य यात्रा हमें भीतर की यात्रा करने का आमंत्रण देती है आत्मनिरीक्षण का, सेवा का, और परम सत्ता से जुड़ने का संदेश देती है।

भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा हमें बाहरी संसार से भीतर की ओर देखने की प्रेरणा देती है। यह हमें जीवन के रथ को धर्म, भक्ति और सेवा के पहियों पर आगे बढ़ाने की शिक्षा देती है।

मण्डलायुक्त ने मा0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर अनुश्रवण के सापेक्ष विकास कार्यों में रैंकिंग/ग्रेडिंग की समीक्षा कर सम्बन्धित अधिकारियों को रैंक में सुधार लाने का दिया निर्देश

कानून व्यवस्था की भी मण्डलायुक्त व पुलिस महानिरीक्षक द्वारा की गई समीक्षा

- आगामी दिनों में विभिन्न त्यौहारो के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था, मार्गो की मरम्मत व साफ सफाई के दिए गए निर्देश
- विकास कार्यो की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री डैशबोर्ड अनुश्रवण में मण्डल के 49 विकास योजनाओ में ए श्रेणी प्राप्त सभी अधिकारियों को रैंक में सुधार लाने का दिया निर्देश

भारत संवाद

मीरजापुर, मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी व पुलिस महानिरीक्षक आर0पी0 सिंह ने आज आयुक्त कार्यालय सभागार में मण्डल के तीनो जनपदो के अधिकारियों के साथ बैठक कर मा0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड अनुश्रवण में प्राप्त रैंक/श्रेणीवार विकासपरक योजनाओ एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस अवसर पर जिलाधिकारी मीरजापुर प्रियंका निरंजन, भदोही शैलेश कुमार, सोनभद्र बी0एन0 सिंह, मुख्य वन संरक्षण मनीष मित्तल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा, सोनभद्र अशोक मीणा, भदोही अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र जागृति अवस्थी सहित संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र, अपर आयुक्त प्रशासन डॉ विश्राम सहित सभी मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहें। कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान मण्डलायुक्त ने आगामी त्यौहारो यथा-कावण, मोहर्रम व अन्य त्यौहारो के दृष्टिगत सुरक्षा एवं चैकसी बरतने के निर्देश दिए गए। मण्डलायुक्त ने कहा कि त्यौहारो पर किसी प्रकार से जन मानस को परेशानी न होने पाए। कावण यात्रा के मार्गो को चिन्हित करते हुए सड़को की मरम्मत, साफ सफाई, सड़को के किनारे झाड़ियों की कटाई, छटाई सभी उचित व्यवस्था समय से सुनिश्चित करा ली जाए। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को इस तरह सदृढ़ व सुगम बनाया जाए कावणियों केस साथ ही साथ यातायात व्यवस्था भी बाधित न होने पाए। उन्होंने कहा कि कावणियों के जहां से जल लिया जाता है पर्याप्त मात्रा में उन घाटो पर सफाई, प्रकाश व्यवस्था, गोताखोर की भी व्यवस्था किया जाए। उन्होंने कहा कि कावण यात्रा मार्गो पर बीच-बीच में सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस कर्मी की तैनाती करते हुए कावण यात्रा मार्ग से सम्बन्धित बोर्ड भी लगाया जाए।

एआरपी चयन परीक्षाः 25 के सापेक्ष 19 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

भारत संवाद

पीलीभीत। स्कूल शिक्षा महानिदेशक के निर्देश पर डाइट बीसलपुर में सीडीओ पीलीभीत के निर्देशन तथा डायट प्राचार्य की अध्यक्षता में एआरपी चयन परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के विभिन्न विकास क्षेत्रों से आए हुए परिषदीय विद्यालयों के लगभग 18 शिक्षक/शिक्षिकाओं ने 23 आवेदनों के सापेक्ष प्रतिभाग किया। प्रत्येक विकासखंड हेतु हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान विषय में एक एआरपी का चयन किया जाना है। चयनित एआरपी अपने-अपने विकास खंडों में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं को शैक्षिक सहयोग प्रदान करेंगे। डायट प्राचार्य महेंद्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एआरपी चयन परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। परीक्षा मे सफल शिक्षकों की माइक्रो टीचिंग भी सम्पन्न हो गई।परीक्षा को संपन्न कराने में संस्थान के वरिष्ठ प्रवक्ता दरवेश कुमार, अमित कुमार, मंजू लता, मेघा अग्रवाल, विजय कुमार, पुलकित शर्मा, नीलेश नाथ, अनिता बिष्ट, जिला समन्वयक राकेश पटेल, जितेंद्र कुमार समेत समस्त कार्यालय स्टाफ का सहयोग रहा।

पुलिस अभिरक्षा मेरठ से फरार 50 हजारी मुसाहिब गिरफ्तार

एसपी सिटी ने किया पत्रकार वार्ता में खुलासा

भारत संवाद

सहारनपुर।उपचार के दौरान मेरठ मेडिकल कालेज मेरठ से पुलिस अभिरक्षा से फरार 50 हजारी ईनामी बदमाश मुसाहिब उर्फ लम्बो को आज थाना देहात कोतवाली प्रभारी कपिल देव के कुशल निर्देशन में उनकी पुलिस टीम ने गांव देवला के पीछे से गिरफ्तार कर लिया।जिसके कब्जे मौके से अवैध असलहा एवम कटी हुई लोहे की हथकड़ी भी बरामद कर ली गई।जिसका खुलासा आज एसपी सिटी व्योम बिंदल द्वारा पत्रकारोंघ के साथ एक वार्ता के दौरान भी किया गया।आपको बता दें,कि अभियुक्त मुसाहिब उर्फ लम्बो पुत्र इल्ताफ निवासी ग्राम महेश्वरी खुर्द को ईलाज हेतु मेरठ मेडिकल कॉलेज मेरठ में पुलिस अभिरक्षा में एडमिट कराया था,परंतु उक्त बदमाश किसी तरह पुलिस को चकमा देते हुए हथकड़ी

सहित मेरठ मेडिकल से फरार हो गया था,जिस मामले मे चार पुलिस वालों सस्पेंड भी किया गया था।इसके फरा होते ही मेरठ से लेकर सहारनपुर के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था,जिसकी तलाश मे पुलिस का तलाशी अभियान भी लगातार चल रहा था।फरार अभियुक्त मुसाहिद पर एसएसपी मेरठ एवम एसएसपी सहारनपुर द्वारा 50 हजार का ईनाम घौषित कर दिया गया था। पुलिस टीम भी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार अभियुक्त की तलाश में लगी थी।इधर थाना देहात कोतवाली पुलिस भी फरार अभियुक्त की तलाश में अपना काम तेजी के साथ कर रही थी।आज थाना देहात कोतवाली प्रभारी कपिल देव के कुशल निर्देशन में जब देवला के पास पुलिस का गस्त/चैकिंग अभियान चल रहा था,तो पुलिस को उक्त फरार अभियुक्त के छुपे होने की सूचना जैसे ही पुलिस टीम को मिली तो पुलिस टीम ने निर्माणधीन बाईपास गांव देवला के पीछे से घेराबंदी के दौरान मुसाहिब उर्फ लम्बो को पकड़ लिया।सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर कपिल देव भी अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर थे।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे मोके से एक देशी तमंचा,2 कारतूस एवम कटी हुई लोहे की हथकड़ी भी बरामद कर ली गई।जिसका खुलासा आज एसपी सिटी व्योम बिंदल द्वारा पत्रकारोंघ से एक वार्ता के दौरान भी किया गया।

महापौर ने तकिया में किया सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

भारत संवाद

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार ने आज नगर विधायक राजीव गुंबर के साथ वार्ड 28 स्थित तकिया क्षेत्र में सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर विधिवत शुभारंभ किया। नगर निगम निधि से होने वाले इस निर्माण कार्य पर 12 लाख रुपये व्यय होंगे। महापौर डॉ. अजय कुमार वार्ड 28 के तकिया क्षेत्र पहुंचे तो स्थानीय पार्षद आसिफ सहित क्षेत्र के अनेक लोगों ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया।इस अवसर पर महापौर ने कहा कि यह निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आवागमन सुलभ होगा एवं जल निकासी की समस्या से भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारा निरंतर प्रयास है कि नगर का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया हो और प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित व सुविधाजनक जीवन प्रदान किया जाए।

फास्ट ट्रैक

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सांसद संग अलीगढ़ में एक पेड़ मां के नाम समर्पित किया

प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता चंडोस / भारत संवाद

अलीगढ़ । लोक प्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से भारतीय जनता पार्टी के कल्याणकारी संकल्प के तहत आज उप्र सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने आज अलीगढ में एक पेड़ माँ के नाम रोपित कर समर्पित किया।इस मौके पर कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि जिस प्रकार माँ हमें निःस्वार्थ प्रेम,छाया और सुरक्षा देती हैं,उसी प्रकार वृक्ष भी हमें जीवनदायिनी ऊर्जा,प्राणवायु और संरक्षण प्रदान करते हैं।हाथरस सांसद अनूप प्रधान ने कहा कि माँ के चरणों में यह पौधा एक छोटी सी भेंट है और प्रकृति के साथ रिश्ते को और मजबूत बनाने का संकल्प भी है। महानगर अध्यक्ष इंजीनियर राजीव शर्मा, व भूपेंद्र वार्ष्णेय ने कहा कि इस अभियान से जुड़कर आप भी एक पेड़ अपनी माँ के नाम लगाएं और इस धरती माँ के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।इस मौके पर कपिल देव अग्रवाल के साथ महानगर अध्यक्ष इंजीनियर राजीव शर्मा,सांसद अनूप प्रधान बाल्मीकि, रीता राजपूत, भूपेंद्र वार्ष्णेय आदि के अलावा काफी संख्या में बीजेपी के कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत नवनिर्मित बेदूपारा परिजनपट्टी से अर्जुनपुर भिटवा बस्ती सम्पर्क मार्ग, वि0ख0 लम्भुआ का किया गया निरीक्षण

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष द्वारा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लम्भुआ गामिनी सिंगला की उपस्थिति में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत ग्रामीण अभियंत्रण विभाग सुलतानपुर द्वारा निर्मित बेदूपारा परिजनपट्टी से अर्जुनपुर भिटवा बस्ती सम्पर्क मार्ग, विकास खण्ड लम्भुआ का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा उक्त निर्मित रोड की गुणवत्ता और निर्माण सामग्री का अवलोकन कर जायजा लिया गया। कार्यदायी संस्था के अवर अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त मार्ग की कुल लम्बाई 7.00 कि0मी0 है। उक्त कार्य की कुल निर्माण लागत रू0 555.12 लाख है। ड्रेन की लम्बाई - 500 मी0 है। डीएम द्वारा उक्त रोड की तकनीकी जानकारी प्राप्त की गयी। अवर अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त रोड का निर्माण एफ.डी.आर. तकनीक से कराया गया है, जिसके अन्तर्गत गिट्टी युक्त पुरानी सड़क को उपकरणों से उधेड़कर उसे बारीक टुकड़ों में तब्दील कर दिया जाता है। उधेड़ी गई सड़क की पपड़ी को रीसाइकिल कर सड़क पर बिछाकर समतल किया जाता है। सीमेंट में चिपकने वाले केमिकल मिलाकर उसका घोल तैयार कर समतल किये गए हिस्से पर सतह के रूप में डाला जाता है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा गुणवत्ता की सराहना करते हुए निर्देशित किया गया कि उक्त मार्ग का समय-समय पर मरम्मत का कार्य अवश्य कराते रहें।

अवैध स्मैक सहित तीन नशा तस्कर गिरफ्तार

सहारनपुर (बेहट)।थाना मिजार्पुर पुलिस स्मैक तस्करों पर काल बनकर टूट रही है। पुलिस ने दो अलग अलग स्थानों से चैकिंग के दौरान तीन तस्करों को अवैध स्मैक और नगदी सहित गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर अजय कुमार ने पकडे गए तस्करों के नाम अकबर पुत्र अल्लाबंदा, अहसान पुत्र नसीम व सोहेल उर्फ अलीजान पुत्र नसीम निवासीगण रायपुर को अवैध स्मैक, सिल्वर पेपर और नगदी सहित गिरफ्तार किया है।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय लम्भुआ के अन्तर्गत निमार्णाधीन कक्षा-8 से 12 तक के एकेडमिक ब्लॉक व छात्रावास भवन का निरीक्षण कर लिया गया जायजा

जिलाधिकारी महोदय ने कार्यदायी संस्था को हैंडओवर की प्रक्रिया एक सप्ताह में पूर्ण कराने के दिये निर्देश।

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष द्वारा कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय लम्भुआ के अन्तर्गत कक्षा-8 से 12 तक के निमार्णाधीन एकेडमिक ब्लॉक व छात्रावास भवन का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निरीक्षण के दौरान छात्रावास भवन में प्रयुक्त निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का निरीक्षण कर जायजा लिया गया। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लम्भुआ गामिनी सिंगला भी उपस्थित रहीं। उक्त कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय 100 बेड क्षमता के छात्रावास एवं एकेडमिक भवन का निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था यू०पी० प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि० निर्माण इकाई-11 अयोध्या द्वारा कराया जा रहा है, जिसकी स्वीकृत धनराशि रु0 315.77 लाख है। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि छात्रावास भवन जी0+1 पर बनाया जाना प्रस्तावित है, जिसमें भूतल पर 13 नग बेडरुम, डाइनिंग हॉल, किचन, पैंट्री, स्टोर, रिसेप्शन, विजिटर/मेडिकल चेक, वार्डेन ऑफिस, बेडरुम, किचन, गार्ड रूम-02 नग, टॉयलेट ब्लॉक-02 सेट, दिव्यांग टॉयलेट, कारीडोर, सबमर्सिबल पम्प व प्रथम तल पर 12 नग बेडरुम, 01 नग रीडिंग रुम, टॉयलेट ब्लॉक-02 सेट कारीडोर एवं एकेडमिक भवन में 04 नग शिक्षण कक्ष, जीव विज्ञान प्रयोगशाला डेमोरुम एवं स्टोर रूम सहित 1 नग, भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला डेमोरुम एवं स्टोर रूम सहित 1 नग, रसायनिक विज्ञान प्रयोगशाला डेमोरुम एवं स्टोररुम आदि का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है। अवशेष बचे कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया कि भवन की खिड़की और दरवाजों की फिनिशिंग को पुनः सही करायें। उन्होंने टॉयलेट ब्लॉक के निरीक्षण के दौरान टॉयलेट शीट व वॉश बेसिन की गुणवत्ता को चेक किया। प्रत्येक कमरों में बनी आलमारी में फिनिशिंग सही न होने पर उसे दुबारा ठीक कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए इसे जल्द से जल्द ठीक कराकर हैंडओवर की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाए।

जेई को फटकार, ठेकेदार पर एफआईआर के निर्देश

स्मार्ट सिटी सीईओ शिपू गिरि ने किया नुमाइश कैम्प एवं मनोहर पुर जोनल ऑफिसों का निरीक्षण

भारत संवाद

सहारनपुर। स्मार्ट सिटी सीईओ/नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज नुमाइश कैम्प एवं मनोहर पुर जोनल ऑफिसों का निरीक्षण किया। उन्होंने नुमाइश कैम्प जोनल ऑफिस में कार्य गुणवत्ता सही न देखकर नाराजगी जताते हुए जहां कार्यदायी संस्था के जेई को कड़ी फटकार लगायी वहीं सम्बंधित ठेकेदार पर एफआईआर कराने के निर्देश दिए।

स्मार्ट सिटी सीईओ/नगरायुक्त शिपू गिरि आज स्मार्ट सिटी (एसएससीएल) अधिकारियों एवं अपर नगरायुक्त मृत्युंजय के साथ सबसे पहले नुमाइश कैंप स्थित जोनल ऑफिस पहुंचे। उन्होंने जोनल ऑफिस का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि कॉलम की दीवार तथा छत की फाल सीलिंग का संरेखण एक लाइन में नहीं है, और आऊटर फिनिशिंग भी सही नहीं है। जिससे स्पष्ट है कि यूपीपीसीएलका पर्यवेक्षण शिथिल है तथा उनके द्वारा कार्य क्रियान्वयन में लापरवाही की गयी है।

उन्होंने कहा कि यूपीपीसीएल के परियोजना प्रबंधक,सम्बंधित अभियंता का उत्तरदायित्व निर्धारित करे और सम्बंधित ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराए। उन्होंने एसएससीएल के अवर अभियंता के विरुद्ध भी एक प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए।इसके बाद उन्होंने मनोहरपुर जोनल ऑफिस का निरीक्षण किया। सीईओ/नगरायुक्त शिपू गिरि ने अपर नगरायुक्त मृत्युंजय को निर्देश दिए कि नुमाईश कैंप, मनोहरपुर व हकीकत नगर, तीनों जोनल ऑफिसों को क्रियाशील करने के लिए स्मार्ट सिटी के कंपनी सचिव के साथ योजना बना लें और फर्नीचर आदि व्यवस्थाएं कराते हुए अपने जोनल ऑफिस स्थापित करा लें। निरीक्षण के दौरान अपर नगरायुक्त मृत्युंजय के अलावा जीएम स्मार्ट सिटी दिनेश कुमार, कंपनी सचिव शंकर तायल व परियोजना प्रबंधक जितेंद्र कुमार के अलावा स्मार्ट सिटी के अनेक अधिकारी व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुंडन कराने जा रही इको कार को बोलोरो पिकअप ने रौंदा , चालक व महिला की मौत

आकाश शर्मा,भारत संवाद

अलीगढ़ः अलीगढ़ से राजघाट गंगा जी पर तीन माह की बच्ची का मुंडन करने जा रहे इको कार सवार परिवार को जवां बाईपास पर बोलोरो पिकअप ने टक्कर मार दी जिसमें इको कार के परखच्चे उड़ गए जिसमें बैठी सवारियों मैं एक महिला व कार चालक की मौत हो गई, एवं अन्य नौ सवारी भी मामूली रूप से घायल हो गई पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से मेडिकल भेजा एवं मृतक कार चालक व महिला का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना सिविल लाइन के सुदामापुरी से एक तीन माह की बच्ची किशोरी का मुंडन कराने के लिए भोला शंकर सक्सेना का परिवार सुबह भाड़े पर ली गई इको कार से राजघाट गंगा जी जा रहा था कार को पप्पू उर्फ सतपाल पुत्र सौदान सिंह 40 वर्ष निवासी नगला ककरऊ आलमपुर चौराहा दादों चला रहा था कार जैसे ही सुबह करीब सवा छह बजे जवां बाईपास स्थित मैक्स हास्पिटल के सामने पहुंची की सामने से आ रही प्लाईवुड बोर्ड से भरी मैक्स बोलोरो पिकअप ने उसे जोरदार टक्कर मार दी जिसमें महिला रजनी सक्सेना पत्नी भोला शंकर सक्सेना निवासी सुदामा पुरी की मौके पर ही मौत हो गई गंभीर रूप से घायल कार चालक पप्पू उर्फ सतपाल पुत्र सौदान सिंह को सीएचसी जवां ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना पर थाना जवां पुलिस मौके पर पहुंच गई जहां सभी घायलों गुंजन पुत्री भोला शंकर, दिव्या सक्सेना 11 वर्ष, पूनम पुत्री मुन्नालाल 21 वर्ष, राजा राम पुत्र तुलसी राम 95 वर्ष, भक्ति पुत्र भोला शंकर 4 वर्ष, सोनू पुत्र मुन्नालाल 25 वर्ष, कोमल पत्नी मुन्नालाल व मुस्कान पुत्री भोला शंकर व तीन माह की किशोरी को घायल अवस्था में एंबुलेंस की मदद से पुलिस द्वारा मेडिकल भेजा गया। जिसमें मुस्कान पुत्री भोला शंकर, राजा राम व किशोरी गंभीर हालत में मेडिकल में भर्ती हैं बाकी सभी को दवाई गोली व पट्टी करके डाक्टर ने छुट्टी दे दी। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है जबकि मैक्स पिकअप का चालक टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया।

जीआईएस सर्वे के विरोध में पार्षदों ने धरना दिया

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे जीआईएस सर्व को लेकर विरोध हमने का नाम नहीं ले रहा है आज पार्षदों को लेकर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी ने प्रदर्शन कर धरना दिया और इस सर्वे को स्थगित करने की मांग करते हुए कहा कि शीघ्र ही इसका निस्तारण ने किया गया तो आम जनता के साथ आंदोलन किया जाएगा।

आज नगर निगम परिसर में पार्षदों ने कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी के नेतृत्व में प्रदर्शन कर धरना दिया

जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच का व्यापक अभियान, 13 नमूने संकलित

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0 वि0): जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले में आमजन को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा शुक्रवार को व्यापक जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले भर में विभिन्न स्थानों से कुल 13 दूध एवं पनीर के नमूने संकलित किए गए।सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन दीनानाथ यादव ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा इगलास अमूल फैक्ट्री से फुल क्रीम मिल्क का नमूना, मैरिस रोड स्काई बैंक रेस्टोरेंट से पनीर का नमूना, एटा चुंगी चौराहा से एक मिश्रित दूध का नमूना, अफरोज डेयरी मेडिकल रोड एक मिश्रित दूध का नमूना, इगलास से बटर मिल्क का नमूना, मेडिकल रोड दोदपुर से एक दूध का नमूना, बतेरा इगलास से डबल टोण्ड मिल्क का नूमना, गोरई से मिश्रित दूध का नमूना, मैन चौराहा इगलास से पनीर का नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि लिए गए कुल 13 नमूनों में से 9 नमूने रिपैक्ड, 1 नमूना बिक्रेट, और 3 मिश्रित दूध के हैं। उन्होंने बताया कि सभी नमूनों को जांच के लिए लैब भेजा गया है, रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन दीनानाथ यादव ने आमजन से अपील की है कि वे शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ ही उपयोग करें और किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर तत्काल विभाग को सूचित करें। यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि जिला वासियों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है, निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, मार्ग, संरचना एवं ठहराव के अनुसार चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत है:–

गाड़ी सं.	स्टेशन से	स्टेशन तक	संचालन का दिन	विस्तार की तिथि
04813	भगत की कोठी	दानापुर	बुधवार	02.07.2025 से 24.09.2025
04814*	दानापुर	भगत की कोठी	गुरूवार	03.07.2025 से 25.09.2025
09617	दौराई	समस्तीपुर जं.	शुक्रवार	04.07.2025 से 26.09.2025
09618	समस्तीपुर जं.	दौराई	रविवार	06.07.2025 से 28.09.2025

गाड़ी संख्या 04814* दानापुर-भगत की कोठी विशेष रेलगाड़ी का भरतपुर जं. पर ठहराव के समय में संशोधन किया गया है इस गाड़ी का भरतपुर जं. पर आगमन 15:05 व प्रस्थान 15:07 के स्थान पर आगमन 14:40 व प्रस्थान 14:42 रहेगा।

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन न0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1128/25 (C)

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार का निर्णय लिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्व निर्धारित समय, ठहराव, संरचना एवं मार्ग पर चलेगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

गाड़ी सं.	कहाँ से कहाँ तक	प्रस्थान के दिन	विस्तारित तिथि से	विस्तारित तिथि तक
03251	दानापुर - सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरू	रवि. सोम.	30.06.2025	28.07.2025
03252	सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरू - दानापुर	मंगल. बुध.	02.07.2025	30.07.2025
03259	दानापुर - सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरू	मंगल.	01.07.2025	29.07.2025
03260	सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरू - दानापुर	गुरू.	03.07.2025	31.07.2025

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1129/25(D)

विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

04137/04138 ग्वालियर-बरौनी विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन)

गाड़ी सं. 04137 ग्वालियर-बरौनी आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04138 बरौनी-ग्वालियर आगमन	प्रस्थान
—	07:10	ग्वालियर	10:20	---
07:46	07:48	डबरा	08:40	08:42
08:15	08:17	दतिया	08:12	08:14
08:55	09:20	वी.लक्ष्मीबाई झांसी	07:25	07:50
10:50	10:52	मोठ	06:03	06:05
11:20	11:22	एट	05:37	05:39
11:43	11:45	उरई	05:16	05:18
12:25	12:27	कालपी	04:49	04:51
12:50	12:52	पुखरायाँ	04:33	04:35
15:00	15:05	गोविंदपुरी	02:35	02:40
16:05	16:07	फतेहपुर	00:43	00:45
18:00	18:05	प्रयागराज जं.	23:30	23:35
19:13	19:15	ज्ञानपुर रोड	22:30	22:32
20:25	20:30	बनारस	21:00	21:05
20:45	20:50	वाराणसी	20:35	20:40
21:48	21:50	औंड़िहार	19:18	19:20
22:45	22:50	गाजीपुर सिटी	18:10	18:15
00:05	00:10	बलिया	17:00	17:05
01:30	01:32	सुरेमनपुर	15:53	15:55
04:45	04:50	छपरा	14:00	14:05
06:00	06:05	हाजीपुर	11:35	11:40
06:45	06:47	शाहपुर पटोरी	10:40	10:42
08:00	----	बरौनी	----	09:45

- गाड़ी सं. 04137: ग्वालियर से प्रत्येक रविवार व बुधवार को दिनांक 02.07.2025 से 28.12.2025 तक • गाड़ी सं. 04138: बरौनी से प्रत्येक सोमवार व गुरूवार को दिनांक 03.07.2025 से 29.12.2025 तक
- गाड़ी संरचनाः चेयर कार-03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-03, स्लीपर श्रेणी-05, सामान्य श्रेणी-07

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1113/25(D)

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

जब गधे ने सुनाया राग

पुराने समय में एक धोबी था, जिसके गधे का नाम था उधत। दिन के समय गधा अपने मालिक के कपड़ों के गट्ठर ले जाने का काम करता था, वहीं रात में आसपास के मैदान में हरी घास खाने के लिए उसे खुला छोड़ दिया जाता था। लेकिन धोबी से मिली इस छूट का गधा अपनी तरह से इस्तेमाल करता था। वह मैदान में घास खाने के बजाय आसपास के खेतों में घुस जाता और वहां से अपनी पसंद की सब्जियां खाता। लेकिन सुबह होने से पहले वह धोबी के घर पहुंच जाता। यह गधा अल्हड़ किस्म का था। जो उसके मन में आता, वही करता। उसे इस बात की कतई परवाह न होती कि असमय कोई भी काम करने का नतीजा बुरा हो सकता है। एक रात खाने की तलाश में गधा खेतों में निकला ही था कि उसकी मुलाकात सियार से हो गई। दोनों को एक दूसरे का साथ भा गया और उनमें चाचा-भतीजे वाली दोस्ती हो गई। इसके बाद वे हर रात मिलने लगे। लेकिन दोनों में फर्क यह था कि सियार गधे की अपेक्षा दूर की सोचता था। किसी भी मुश्किल में खुद को फंसते देख वह खुद को उससे बाहर निकालने के उपाय सोचने लगता था। अब गधा और सियार दोनों रात के अपने मिशन पर साथ निकलते। ताजी-हरी पौष्टिक सब्जियां खाकर गधा पहले की अपेक्षा काफी तंदुरुस्त हो गया था। अब वह खेतों के किनारे लगी बाड़ आसानी से तोड़ देता। खेत में घुसकर एक तरफ गधा सब्जियां खाता, तो दूसरी तरफ सियार पास के बाड़े में बंद मुर्गो को अपना शिकार बनाता। चाचा-भतीजे दोनों अपने भोजन का स्वाद साथ-साथ चखते। सुबह होने से पहले दोनों ही अपने-अपने घर लौट जाते। यह सिलसिला कुछ दिन तक यूं ही चलता रहा।

इसी तरह एक रात खेत में गधा और सियार अपनी भूख मिटा रहे थे। उसी समय गधे ने सियार से कहा, 'अरे भतीजे, आज पूर्णिमा है। मुझे गाना गाने का मन कर रहा है। क्या मैं गाना सुनाऊं?' गधे की इस मूर्खतापूर्ण बात पर सियार को हैरानी हुई। उसने गधे को चेताया, 'अरे चाचा, हम यहां चोरी करने आए हैं। चोरों को अपना काम चुपचाप करना चाहिए। वैसे तुम्हारी आवाज इतनी भी सुरीली नहीं है, जितनी कि तुम सोच रहे हो। अगर तुमने गाना शुरू किया, तो बहुत दूर तक तुम्हारी आवाज सुनाई देगी। तुम्हारे रेंकने की आवाज सुनकर किसान जाग जाएगा और हम दोनों को बहुत मारेगा। मैं तुमसे विनती करता हूं कि खेत में तुम्हें जितनी भी सब्जियां खाने का मन करे, उतनी खा लो, लेकिन गाना गाने का खयाल अपने दिल से बिल्कुल निकाल दो।' सियार की इन बातों से गधा भड़क गया। उसे लगा कि सियार ने उसकी शान में गुस्ताखी कर दी है। वह तुनक कर सियार से बोला, 'तुम ऐसा इसलिए कह रहे हो, क्योंकि तुम जंगली हो और संगीत की अहमियत नहीं समझते। अब मैं एक मधुर राग जरूर गाऊंगा।'

जब सियार ने देखा कि गधे ने गाना गाने के लिए जिद पकड़ ली है, तो उसने खतरा भांपकर किसी सुरक्षित स्थान पर छिप जाने में ही अपनी भलाई समझी। उसने गधे से कहा, 'चाचा, अगर तुमने गाने का मन बना ही लिया है, तो मेरे इस खेत से बाहर निकलने तक शांत रहो। मैं बाहर जाकर इस खेत के मालिक पर नजर रखूंगा।' इतना कहते ही सियार खेत से बाहर भागा और झाड़ी में दुबक गया। इसके बाद गधे ने बहुत ऊंचे स्वर में रेंकना शुरू कर दिया। रेंकने की आवाज सुनते ही किसान की नींद टूट गई और वह गुस्से में लाठी उठाए खेत की तरफ दौड़ता हुआ आया और गधे की इतनी पिटाई की कि वह जमीन पर गिर गया। इसके बाद उसने लकड़ी का एक बड़ा टुकड़ा गधे के गले से बांधकर उसे छोड़ दिया। किसान की मार खाकर गधा जब वापस लौटा, तो सियार उसकी बदहाली देखकर हंसने लगा। उसने गधे की खिंचाई करते हुए पूछा, 'चाचा, तुम्हारा राग तो बहुत सुरीला था। लगता है कि गले में यह माला तुम्हें इसके इनाम के तौर पर मिली है।'

इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हर काम को करने का एक उचित समय होता है। बेवक्त किसी भी काम को करने का नतीजा बुरा होता है।

बच्चे ही नहीं बड़ों को भी पसंद है जूजू

बच्चो, कार्टून कैरेक्टर तो बहुत सारे देखे होंगे। अक्सर आपको सभी पसंद आते हैं। लेकिन आजकल जूजू कैरेक्टर टीवी पर सभी का पसंद बन गया है। जूजू न केवल बच्चो में लोकप्रिय है वरन् बड़ों को भी सबसे ज्यादा पसंद है।

हर जगह उसकी बिरादरी के लोग हैं। छोटे-छोटे गोलमटोल फूले पेट वाले। अपनी भोली सूरत के साथ वे हमें आधे-आधे मिनट की कहानियां सुना रहे हैं। हम हंस रहे हैं। मुस्कुरा रहे हैं। लोटपोट हो रहे हैं। और आखिर में बस एक सवाल अपने आप से पूछ रहे हैं आखिर कैसे एक कार्टून कैरेक्टर हम जीते जागते लोगों से ज्यादा लोकप्रिय और प्यारा बन जाता है? आप शायद ही किसी ऐसे इंसान से मिले होंगे जिसने वोडाफोनके एडवर्टाइजमेंट में दिखाए जाने वाले कार्टून कैरेक्टर जूजू की बुराई की हो। कोई लेख याद नहीं आता जिसमें जूजू की आलोचना हो। कोई दूसरा ऐसा विज्ञापन भी याद नहीं आता जिसको देखते हुए रिमोट की तरफ हाथ न बढ़ता हो। बस एक यह खबर पढ़ी थी कि जिस विज्ञापन क्लिपिंग में जूजू को आत्महत्या के मूड में दिखाया गया है, उसे बैन कर दिया गया है। लेकिन इसके अलावा कोई और निगेटिव बात उसके बारे में सुनने या पढ़ने को नहीं मिली।

कशिश कैसे आई

सवाल लेकिन यही है कि जूजू में यह कशिश आई कैसे? किस चीज ने उसे हमारे दिलों के इतना करीब लाकर खड़ा कर दिया? आखिर क्यों ट्विटर और यू टयूब पर जूजू के लाखों दीवाने दोस्त मौजूद हैं। क्यों पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान फेसबुक पर आडवाणी या मनमोहन से कई गुना ज्यादा दोस्त जूजू के थे? बमुश्किल डेढ़ साल की उम्र वाला जूजू वाकई एक बड़े समाज शास्त्रीय प्रश्न की तरह हमारे सामने है। लेकिन इस सवाल का जवाब खोजना-समझना रोचक भी है और बेहद जरूरी भी, क्योंकि वही आने वाले वक्त में हमें वाहियात विज्ञापनों की उस भेड़चाल से बचा सकता है, जिसके हम शिकार तो रोज बनते हैं, लेकिन जिसके खिलाफ कर कुछ नहीं पाते।

हरदिल अजीज

जूजू दरअसल कई वजहों से हरदिलअजीज बन गया है। उसे देखने-सुनने की पहली लज्जत यही है कि वह हमें माल बेचने की अंधी होड़ से राहत देता है। मार्केटिंग की बिरादरी की, उपभोक्ताओं को जाहिल और भदेस समझने की निगेटिव पूर्व मान्यता उसमें नहीं दिखती। विज्ञापनी रचनात्मकता के नाम पर चीखते-झूठे बुलावे देने की परंपरा जूजू के विज्ञापनों में नहीं है। सीमेंट के विज्ञापन में समंदर से नहाकर निकलती बिकनीधारिणी दिखाने जैसी नितांत बेतुकी चीज उसमें नहीं नजर आती। न ही टीवी-एसी बेचने के लिए पड़ोसियों से आगे निकलने का भद्दा उकसावा उसमें है।

आजूबाजू रहने वालों को ईर्ष्या और जलन में फूंकने को मजबूर करने के निगेटिव वादे पर माल बेचने की चतुराई उसमें नहीं है। ना ही एक खास क्रीम लगाकर गोरा बनने का आह्वान करते हुए देश के करोड़ों सांवले लड़के-लड़कियों का अपमान करने जैसी बेशर्मी उसमें है। विज्ञापन जगत के जिन लोगों ने सांस की दुर्गंध को पिछले कुछ दशकों में एक राष्ट्रीय समस्या में तब्दील कर दिया है, उनके लिए जूजू एक सबक है। जो क्रिएटिव डायरेक्टर डियोड्रेंट बेचने के लिए लड़कियों को मवेशियों के रेवड़ की तरह एक खुशबूदार मर्द के पीछे भगाने के परम नाटकीय और महंगे विज्ञापन सोचने-रचने को अपनी कला का चरम मानते हैं, उनके लिए भी जूजू की सीरीज एक आंख खोलने वाली चीज है।

सकारात्मक सोच

सिर्फ सकारात्मक होना ही जूजू की अकेली खासियत नहीं। उसकी सादगी भी उसकी खूबसूरती है। आज दर्शक विज्ञापनों में दौलत और आलीशान मकानों की चकाचौंध से अघाया बैठा है। उसे मानो सादे जीवन के किरदारों का इंतजार था। जूजू का कैरेक्टर मासूम बच्चों के आकार और व्यवहार वाला है। वह और उसके साथी फ्लिंटस्टोन कार्टून सीरीज के पात्रों की तरह पाषाण युग वाली सरल चीजों के बीच रहते हैं। उनके छोटे-छोटे सुख हैं। फूल लेना या देना। किसी मगरमच्छ से बच निकलना या नदी किनारे बैठकर बात करना। इन्हीं नन्ही रोचक कहानियों के बीच में वे वोडाफोन सर्विस के फीचरों का गुणगान कर जाते हैं। और यह सब बिना किसी दूसरे फोन की निंदा किए हो जाता है। बिना किसी स्पष्ट डॉयलाग के, सिर्फ मौन चित्रण के जरिए हो जाता है। है ना कमाल ही बात?

मेहनत ज्यादा

सादगी की रचना बहुत जटिल भी हो सकती है। इंसानों से कार्टून का अभिनय कराना और उसे कार्टून जैसी पोशाक पहनाने में पापड़ बेलने पड़ते हैं। ज्यादा लोग नहीं जानते कि देखने में बहुत नन्हे नजर आने वाले ये कार्टून न तो नन्हे हैं और न ही कार्टून। वे सामान्य कद काठी के इंसान हैं। बस वे सफेद रंग के फोम भरे कपड़े पहनते हैं। उन्हें नन्हा दिखाने के लिए उनके आसपास की दूसरी चीजें सामान्य से कई गुना आकार की दिखाई जाती हैं। हां, सिर की तुलना में हाथ-पैर खूब पतले दिखाई पड़ें, इसके लिए लड़कियों को जूजू का लिबास पहनाया जाता है। लेकिन सबसे तकलीफदेह होता है उसका कई किलो का अंडाकार सिर जिसके पीछे से कलाकार को कुछ दिखाई नहीं देता। महज अंदाजे से उसे मूवमेंट करनी पड़ती है। पहले कैमरा सामान्य स्पीड से उनका एक्ट रिकॉर्ड करता है। बाद में उसकी स्पीड बढ़ाकर उसे विज्ञापन का रूप दिया जाता है, ताकि इंसानों के हावभाव कार्टूनों वाली चपलता के साथ पेश किए जा सकें। इन सबसे गुजरकर ही जूजू की सादगी की रचना हो पाती है। यह ब्योरा पढ़कर अनायास बरसों पहले देखी ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्म बावर्ची का वह डॉयलाग याद आता है- इट इज सो सिम्पल टू बी हैप्पी, बट इट इज सो डिफिकल्ट टू बी सिम्पल ! (यानी खुश रहने के लिए सिर्फ सादगी अपनाने की जरूरत है, लेकिन खुद को सादगी अपनाने के लिए मनाना कितना मुश्किल है!)

करोड़ों दर्शक

कुल मिलाकर इस मुल्क के करोड़ों टीवी दर्शक विज्ञापन एजेंसी ओगिल्वी एंड मैथर की मुंबई टीम के क्रिएटिव हैड राजीव राव के शुक्रगुजार हैं, जिन्होंने तकरीबन दो साल पहले एक बहुत सादा और प्यारा कैरेक्टर गढ़ा और दक्षिण अफ्रीका में सिर्फ तीन महीने में उसकी दर्जनों क्लिपिंग तैयार कर लीं। तारीफ निर्वाण फिल्म्स के प्रकाश वर्मा की भी होनी चाहिए, जिन्होंने कथित तौर पर सिर्फ तीन करोड़ की लागत में वे फिल्में बना ली थीं, जो आने वाले महीनों में भारतीय विज्ञापन उद्योग की सबसे ऐतिहासिक विज्ञापन सीरीज साबित होने वाली थी। बेवजह नहीं अप्रैल में गोवा में हुए विज्ञापन जगत के सबसे बड़े पुरस्कार समारोह गोवाफेस्ट में सबसे बड़ा गैंड्र पिक्स अवार्ड ओगिल्वी एंड मैथर को जूजू सीरीज के लिए ही मिला।

रात में नीले रंग में चमकने लगती है यह नदी

पिछले दिनों हांगकांग का समुद्र तट सुनहरी नीली रोशनी से जगमगाता हुआ दिख रहा था। हालांकि आम लोगों को यह नजारा बहुत आकर्षक लग रहा था, लेकिन विशेषज्ञों के लिए यह परेशानी का सबब बन गया। खूबसूरत दिखने वाली रात में इन नदियों का किनारा कई लोगों के लिए रहस्य भी है। नदियों को देखने से ऐसा लगता है जैसे उसमें किसी ने नीली रंग की बत्तियां जला दी हों, लेकिन इसके पीछे की वजह चौंकाने वाली है। दरअसल समुद्री पानी में नीली रोशनी स्पार्कल (एक तरह के शैवाल) या नॉक्टीलूसा स्केंटिलेंस की वजह से होती थी। वैज्ञानिकों ने बताया कि ये ऐसा शैवाल है जो एक जीव भी है और पौधा भी। ये प्रदूषण की बढ़त से बनते हैं। इनके बढ़ने की वजह खेतों से निकलती गंध है, जो ना सिर्फ नदी को गंदा करती है, बल्कि उसके जीवों को भी। ये तभी बढ़ती और बनती हैं, जब नदी में नाइट्रोजन और फॉसफोरस की मात्रा बढ़ती है। इंसानी गतिविधियों के कारण जब बड़े पैमाने पर पैदा होने वाला नाइट्रोजन और फॉस्फोरस का कचरा सीधे-सीधे समुद्र में चला जाता है, तो वह सी-स्पार्कल के बढ़ने के लिए उचित वातावरण पैदा कर देता है। इन्हीं जीवों की मौजूदगी के कारण समुद्र का पानी अंदर से चमकता हुआ दिखाई देता है। हालांकि इंसान के लिए ये पदार्थ खतरनाक नहीं होते, लेकिन इससे समुद्री जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। अल्प मात्रा में नाइट्रोजन और फॉस्फोरस समुद्री जीवों के लिए अच्छे हैं, लेकिन ज्यादा मात्रा में होने पर सी-स्पार्कल की तादाद समुद्र में तेजी से बढ़ने लगती है। इस प्रजाति में वनस्पति और जीव-जंतु दोनों के गुण पाए जाते हैं। लेकिन खतरनाक बात ये है कि ये अपने सामने आने वाली हर चीज को खा जाते हैं। ये छोटे जीव-जंतुओं को चट कर जाते हैं और छोटे शैवालों का भी सफाया कर देते हैं। ये स्वयं इतने बड़े होते हैं कि नन्हे क्रस्टेशियन जीव इन्हें खाने में असमर्थ रहते हैं। कुल मिलाकर ये समुद्र की खाद्य श्रृंखला को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। ना सिर्फ हॉन्ग-कॉन्ग बल्कि ये समस्या धीरे-धीरे पूरे विश्व में बढ़ती जा रही है। भारत के पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही किनारों में ये देखने को मिलती हैं।

कहानी

परिवर्तन

अवंती राज्य में विनोद नामक एक युवक राजदरबार के एक छोटे कर्मचारी के पद पर नियुक्त हुआ। उसके पिता राजदरबार में नौकरी करते मर गए थे, इसलिए विनोद को वह नौकरी प्राप्त हुई। काफी समय तक विनोद ने शादी नहीं की, क्योंकि वह बड़ी नौकरी पाकर अपनी पत्नी की दृष्टि में बड़ा आदमी कहलाना चाहता था।

मगर अपनी मां के जोर देने पर विनोद ने आखिर एक गरीब किसान की बेटी चन्द्रा से शादी कर ली। वह खूबसूरत और सुशील भी थी। वह किफायत के साथ खातिर करना अच्छी तरह जानती थी। वह अपने पति और सास के साथ विनयपूर्वक व्यवहार भी करती थी। पर विनोद अपनी पत्नी की नजर में ऊंचा व्यक्ति कहलाने के ख्याल से पैसे पानी की तरह बहाने के कारण कर्जदार बन गया।

चन्द्रा अपने पति की कमाई से भलीभांति परिचित थी, लेकिन वह कभी अपने पति को नहीं कहती कि हम संपन्न नहीं हैं, लेकिन अनावश्यक खर्च कम करने की सलाह देती रही।

विनोद किफायत करना अपमान की बात मानता था। इसलिए वह पत्नी से कहा करता था, ''हमें कंजूसी दिखाने की क्या जरूरत है? अपने पद के अनुकूल खर्च करना ही होगा। जब कर्जदार उसे कर्ज चुकाने का तकाजा करने लगे, तब उसने एक अच्छी नौकरी पाने की कोशिश की, लेकिन वह बेकार गई।

एक बार विनोद का मामा अपनी बहन व भानजे को देखने आया। वह राज दरबार में बड़े पद पर थे। विनोद ने सोचा कि अगर वे चाहें तो उसे अच्छी नौकरी दिला सकते हैं, इस ख्याल से उसने उनके सामने अपनी समस्या रखी।

विनोद से ये बातें सुन उसके मामा को आश्चर्य हुआ, क्योंकि विनोद की नौकरी कोई खराब न थी। उसकी योग्यता से कहीं ऊंची थी। अलावा इसके विनोद की आमदनी उसके परिवार के खर्च के लिए पर्याप्त थी। वह उसमें से थोड़ा-बहुत बचा भी सकता था। साथ ही, वह अपनी नौकरी में दक्षता दिखाए तो ऊंचे पद पर भी जा सकता था। इन सब बातों की जानकारी रखने वाले विनोद के मामा अपने भानजे की इस बेवकूफी पर रहम खाकर बोले, ''देखो विनोद! तुम्हें सबसे पहले अपनी नौकरी के प्रति विश्वास और आदर होना चाहिए। तभी तुम उस नौकरी में चमक सकते हो! ऊंचे अधिकारी अगर तुम्हारी प्रतिभा को पहचान लें तो तुम्हारा भला होगा। इसलिए तुम अपनी आमदनी से संतुष्ट होना सीखो। विनोद को अपने मामा की बातें अच्छी न लगीं। उसे गलतफहमी हो गई कि उसके मामा बहाना बना रहे हैं। विनोद के मन की बात उसके मामा ने भांप ली। उन्होंने पूछा, ''सुनो बेटा, बताओ, किस तरह की नौकरी तुम चाहते हो?

विनोद को लगा कि उसके भीतर नई स्फूर्ति आ गई है। उसने कहा, ''अगर मुझे कोषाध्यक्ष या मण्डलाधिकारी का पद मिल जाए, तो ओहदे के साथ अच्छी आमदनी भी हो सकती है।

अपने भानजे की यह महत्वाकांक्षा देख उन्हें हंसी के साथ क्रोध भी आया। वे बोले, ''अच्छी बात है! कोषाध्यक्ष मेरे परिचित हैं। कल तुम मेरे साथ चलो, मैं उनके द्वारा तुम्हें अच्छी नौकरी दिलाने की कोशिश करूंगा। दूसरे दिन विनोद अपने मामा के साथ राजधानी जाकर कोषाध्यक्ष के घर पहुंचा। कोषाध्यक्ष से एकांत में बात करने के बाद मामा ने उनके साथ विनोद का परिचय कराया। कोषाध्यक्ष ने विनोद को एड़ी से चोटी तक परख कर देखा, उसकी नौकरी का हाल जान लिया, तब वे बोले, ''तुम्हारा विचार वाकई अच्छा है, लेकिन जैसा तुम समझते हो, कोषाध्यक्ष का पद सुखदायक नहीं है। यह तो तलवार की धार है। इसमें धन के साथ संबंध है, इसमें थोड़ा भी अंतर आ गया तो दंड भोगना पड़ेगा। इस पद को संभालने के लिए बुद्धिमता के साथ साहस और अनुभव की भी जरूरत है। पर विनोद को ये बातें अच्छी न लगीं।

कोषाध्यक्ष ने आगे यों बताया, ''कोषाध्यक्ष का यह पद मुझे अचानक नहीं मिला। इस पद पर आने के पहले मैंने दरबार में घंटी बजाई, बाद में द्वारपाल बना, फिर दुर्ग पर पहरेदार नियुक्त हुआ। इसके बाद कोषागार का रक्षक बना। राजा ने कई बार मेरी कठिन परीक्षाएं लीं, उनमें सफल होने के बाद ही उन्होंने मुझे यह पद दिया है। कई सीढ़ियां पार किए बिना क्या हम ऊपरी मंजिल पर पहुंच सकते हैं? विनोद को ये सारी बातें अनावश्यक लगीं। उसके चेहरे के बदलते रंग को मामा देख रहे थे। फिर कोषाध्यक्ष से विदा लेकर दोनों वहां से चल पड़े। मामा ने विनोद को समझाया, ''बेटा, उनकी बातों पर ध्यान न दो। मण्डल के अधिकारी भी मेरे दोस्त हैं। क्या हम उनसे भी मिलें? इस बात को सुनने के बाद विनोद के मन में फिर से आशा जगी। थोड़ी दूर जाने पर रास्ते में उन्हें दस युवक मिले। विनोद के मामा ने उनसे पूछा, ''बेटे, तुमलोग कहां जा रहे हो?

उनमें से एक ने जवाब दिया, ''हम लोग बेकार शिक्षित व्यक्ति हैं। हमारी अक्लमंदी और शिक्षा हमारे पेट भरने का साधन न बन सकी। राजधानी में भी हमारी शिक्षा को जब मान्यता न मिली तो हम वहां क्यों रहें? इसलिए देहातों में जाकर हम लोग खेती-बाड़ी करके अपना पेट भरना चाहते हैं! यों बताकर वे लोग आगे बढ़ गए। ये बातें सुनने पर विनोद के मन में अचानक कोई परिवर्तन हुआ। उसके सारे भ्रम दूर हो गए।

मामा बोले, ''विनोद, मण्डल के अधिकारी का घर समीप आ गया है, चलो, हम उनसे जाकर मिल लेंगे। ''मामाजी, अब किसी से मिलने की जरूरत नहीं है! अपनी नौकरी से मैं संतुष्ट हूं! आप की सलाह के मुताबिक ईमानदारी के साथ मेहनत करके मैं ऊंचा पद पाने की कोशिश करूंगा। मैंने नाहक आप को कष्ट दिया, मुझे माफ कर दीजिएगा, विनोद ने कहा। विनोद की बातें सुन मामा बहुत प्रसन्न हुए।

ईरान पर हमले के लिए अमेरिका ने बनाया बंकर-बस्टर बम

15 साल में तैयार; चट्टान के 200 फीट नीचे ईरान का एटमी प्रोग्राम तबाह किया

एजेंसी

तेहरान, अमेरिका ने पिछले हफ्ते 21 जून को ईरान की फोर्डो परमाणु साइट पर हमला किया था। इस हमले में अमेरिका ने पहली बार 30,000 पाउंड वजनी जीबीयू-57 सीरीज के 'बंकर बस्टर' बमों का इस्तेमाल किया था। ये बम खास तौर पर गहरे बंकरों और जमीन के नीचे बनी साइट्स को नष्ट करने के लिए बनाए गए हैं। अमेरिकी सेना के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन ने गुरुवार को बताया कि इन बमों को बनाने में 15 साल लगे। 2009 में जब अमेरिका को ईरान की फोर्डो साइट के बारे में पता चला, तब उनके पास इसे तबाह करने के लिए कोई सही हथियार नहीं था। इसके बाद अमेरिका ने इन शक्तिशाली बमों को डेवलप किया। अमेरिका ने ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर 7 बी-2 बॉम्बर से हमला किया था। बी-2 बॉम्बर ने

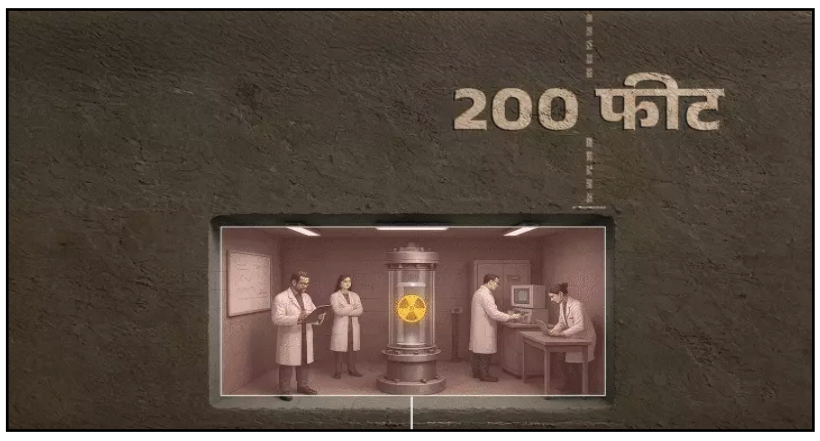

फोर्डो और नतांज साइट पर एक दर्जन से ज्यादा जीबीयू-57 बंकर बस्टर बम गिराए। ईरान पर अमेरिकी हमले का नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर था। इस हमले में फोर्डो साइट के दो मुख्य वेंटिलेशन शाफ्ट्स को निशाना बनाया गया। ईरान ने इन शाफ्ट्स को कंक्रीट से बंद करने की कोशिश की थी, लेकिन अमेरिकी सेना ने पहले से इसकी तैयारी कर ली थी। पहला बम कंक्रीट को तोड़ने के लिए इस्तेमाल हुआ, जिससे शाफ्ट खुल गया। फिर चार बमों को मेन शाफ्ट पर गिराया गया, जो 1,000 फीट प्रति सेकेंड की रफ्तार से साइट के अंदर गिरे और जोरदार विस्फोट किया। जनरल केन ने बताया कि इस ऑपरेशन में 15 साल की मेहनत शामिल थी। पायलटों, हथियार बनाने वाली टीम और लोड क्रू ने मिलकर इस हमले को सफल बनाया। जीबीयू-57 को मासिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) भी कहते हैं, एक ऐसा बम है जो जमीन के 60 मीटर (200 फीट) नीचे तक घुसकर विस्फोट कर सकता है। यह बम खास तौर पर गहरे बंकरों और सुरक्षित ठिकानों को तबाह करने के लिए बनाया गया है। वॉशिंगटन के सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के मासाओ डाहलग्रेन ने बताया कि इस बम में मोटी स्टील की परत होती है, जो चट्टानों और कंक्रीट को तोड़कर अंदर घुस सकती है। इसमें एक खास फ्यूज भी है, जो भारी दबाव और झटके सहने के बाद भी सही समय पर विस्फोट करता है। यह बम केवल बी-2 स्पिरिट स्टेल्थ बॉम्बर विमान से ही गिराया जा सकता है। बी-2 एक ऐसा विमान है जो दुश्मन की मजबूत डिफेंस सिस्टम को चकमा दे सकता है और 9,600 किलोमीटर तक बिना रुके उड़ सकता है। 21 जून को ईरान की परमाणु साइट्स पर हमले में अमेरिका ने 7 बी-2 विमानों का इस्तेमाल किया। यह अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा बी-2 हमला था और दूसरा सबसे लंबा बी-2 मिशन। जनरल डैन केन ने बताया कि कुछ बी-2 विमानों को प्रशांत महासागर की ओर भेजा गया ताकि दुश्मन का ध्यान भटकाया जाए, जबकि असली हमला करने वाले विमान दूसरी दिशा में गए। यह एक सीक्रेट प्लानिंग थी, जिसके बारे में सिर्फ कुछ चुनिंदा लोग जानते थे।

अमेरिका में जसवंत खालड़ा के नाम पर सरकारी स्कूल खुला

मानवाधिकार की शिक्षा देगा संस्थान; पत्नी-बेटी रहीं मौजूद, 6 हजार हत्याओं का किया था खुलासा

एजेंसी

अमृतसर, 1980-90 के दशक में पंजाब में सिखों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने वाले जसवंत सिंह खालड़ा के नाम पर अमेरिका में पहला सरकारी स्कूल खोला गया है। इस स्कूल को सेंट्रल यूनिफाइड स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने 5 महीने पहले मंजूरी दी थी। स्कूल के उद्घाटन समारोह में खालड़ा की पत्नी परमजीत कौर और बेटी नवकिरण कौर खालड़ा भी मौजूद रहीं। स्कूल प्रशासन ने बताया कि यह संस्थान बच्चों को केवल पढ़ाई नहीं, बल्कि मानवाधिकार, न्याय और साहस के मूल्यों की भी शिक्षा देगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में सिख समुदाय

के लोग उपस्थित थे। उन्होंने जसवंत सिंह खालड़ा के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की सराहना की। जसवंत सिंह खालड़ा उन हजारों सिख युवकों की आवाज बने, जिन्हें 1980-90 के दशक में पंजाब में अवैध हिरासत में लेकर मार दिया गया और उनके शवों का गुप्त रूप से श्मशान घाटों में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उन्होंने अमृतसर के कई श्मशान घाटों का दौरा कर दस्तावेजी सबूत जुटाए, जिससे खुलासा हुआ कि लगभग 6,000 अज्ञात शवों का गुपचुप तरीके से दाह संस्कार हुआ था। खालड़ा ने यह जानकारी न सिर्फ देश में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी रखी, जिससे भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड पर वैश्विक सवाल खड़े हुए। उनका साहस और संघर्ष आज भी मानवाधिकारों की लड़ाई में प्रेरणा बना हुआ है। 6 सितंबर 1995 को खालड़ा का उनके घर से अपहरण कर लिया गया। परिजनों का आरोप है कि पंजाब पुलिस ने हिरासत में लेकर उन्हें प्रताड़ित किया और मार डाला। लंबे समय तक एफआईआर न होने के बाद उनकी पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

अदालत के आदेश पर सीबीआई ने जांच की और चार पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराकर उम्रकैद की सजा दी गई। जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित बायोपिक पंजाब 95 में दिलजीत दोसां- ने उनका किरदार निभाया है।

यह फिल्म पूरी तरह सच्ची घटनाओं और अदालत की कार्यवाही पर आधारित है, लेकिन सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रही है। खालड़ा का परिवार चाहता है कि फिल्म को बिना किसी कट के पास किया जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

ओबामा बोले- अमेरिका लोकतंत्र से भटक रहा

ट्रम्प सरकार देश को खोखला कर रही, ट्रेड वॉर से खतरे में देश की गरिमा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पिछले हफ्ते अमेरिकी राज्य कनेक्टिकट के हार्टफोर्ड शहर में एक कार्यक्रम में भाषण दिया। प्रसिद्ध इतिहासकार हीदर कॉक्स के साथ चर्चा में ओबामा ने देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताई और युवाओं से देश को बचाने की अपील की। ओबामा ने ट्रम्प सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग आज अमेरिका की सरकार चला रहे हैं, वे लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जरूरी है कि सरकार के बाहर और अंदर दोनों जगह से गलत चीजों का विरोध हो। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। ओबामा ने कहा कि व्यापारिक सौदों में डराया जा रहा है, जो केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी खतरनाक है। उन्होंने अपने कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि चीन की बढ़ती ताकत के बावजूद उन्होंने टैरिफ जैसे उपायों का बेजा इस्तेमाल नहीं किया था, क्योंकि यह अमेरिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने ट्रेड वॉर को गलत बताते हुए कहा कि इससे देश की गरिमा खतरे में है। ओबामा ने अमेरिका की तुलना हंगरी जैसे देशों से की, जहां चुनाव तो होते हैं, लेकिन वहां सच में लोगों की आवाज की कद्र नहीं होती और नेता मनमानी करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका भी अब ऐसे ही रास्ते पर बढ़ रहा है, जहां कानून और लोकतंत्र की असली भावना कमजोर हो रही है। ओबामा ने चेतावनी दी कि अमेरिका में भी हालात उस दिशा में बढ़ते दिख रहे हैं। ओबामा ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का उदाहरण दिया, जिसमें बाइडेन ने जीत हासिल की थी, लेकिन हारने वाले डोनाल्ड ट्रम्प ने धोखाधड़ी के झूठे आरोप लगाए। ओबामा ने पुतिन और केजीबी का उदाहरण दिया ओबामा ने इंटरव्यू में कहा कि सत्ता में बैठे लोग अक्सर उस माहौल का फायदा उठाते हैं, जहां लोगों को यह पता ही नहीं होता कि सच क्या है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन और उनके केजीबी (जासूसी एजेंसी) की एक कहावत है, जिसे अमेरिका में ट्रम्प के सलाहकार स्टीव बैनन ने भी अपनाया। इस कहावत का मतलब है कि अगर आप चाहते हैं कि लोगों का दिमाग उलझ जाए, तो उन्हें सच्चाई समझाने की जरूरत नहीं है। उस माहौल में इतना ज्यादा झूठ और बकवास भर दो कि लोगों को लगे, अब किसी बात पर यकीन करना ही फिजूल है। ओबामा ने आगे कहा- इससे फर्क नहीं पड़ता कि कोई नेता बार-बार झूठ बोल रहा है, या कोई राष्ट्रपति यह दावा कर रहा है कि उसने चुनाव नहीं हारा, बल्कि जीत हासिल की है, और चुनाव में गड़बड़ी हुई थी। लेकिन जब वही नेता चुनाव जीत जाता है, तो वह गड़बड़ी अचानक गायब हो जाती है। झूठ पर कौन यकीन करता है, ये इतना मायने नहीं रखता, असली समस्या तब है जब लोग इन सबसे हार मानकर कहने लगते हैं, अब तो कुछ फर्क ही नहीं पड़ता। जब लोग सच से हार मान लेते हैं, तभी तानाशाही पनपती है। ओबामा ने आगे कहा कि अमेरिका की एक बड़ी राजनीतिक पार्टी (रिपब्लिकन पार्टी) में आज यही हो रहा है। कई नेता जानते हैं कि जो बातें हो रही हैं वो सच नहीं हैं, लेकिन फिर भी वे ऐसा नाटक करते हैं जैसे सबकुछ ठीक और सच हो। यह बहुत खतरनाक स्थिति है। ओबामा ने कहा कि अमेरिकी संविधान में लोकतांत्रिक नियम-कायदे भले ही शुरूआत में अधूरे थे, लेकिन समय के साथ इन्हें मजबूत किया गया।

ईरान को 2.5 लाख करोड़ देने की तैयारी में अमेरिका

सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम में इन्वेस्टमेंट करेगा; कई प्रतिबंधों में राहत भी देगा

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव, अमेरिका, ईरान को उसके सिविल एनर्जी प्रोडक्शन न्यूक्लियर प्रोग्राम को विकसित करने में मदद करने पर विचार कर रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान को 30 अरब डॉलर (करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए) के निवेश का प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत ईरान यूरेनियम का संवर्धन किए

बिना सिविल एनर्जी के लिए परमाणु कार्यक्रम शुरू कर सकता है। इस डील के तहत ईरान को कुछ प्रतिबंधों से भी छूट मिल सकती है और उसे विदेशी बैंकों में जमा 6 अरब डॉलर तक की राशि तक पहुंच मिल सकती है, जिस पर फिलहाल प्रतिबंध है। सिविल एनर्जी प्रोडक्शन न्यूक्लियर प्रोग्राम ऐसा परमाणु कार्यक्रम होता है जिसका इस्तेमाल सिर्फ बिजली या ऊर्जा बनाने के लिए किया जाता है, न कि हथियार बनाने के लिए। इसमें न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाए जाते हैं जो परमाणु रिएक्शन का उपयोग कर बिजली पैदा करते हैं। इसका सैन्य उद्देश्यों या हथियारों से कोई लेना-देना नहीं होता। यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता शुरू करने की कोशिश का हिस्सा बताया जा रहा है। 20 जून को व्हाइट हाउस में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और खाड़ी देशों के नेताओं के बीच एक सीक्रेट मीटिंग हुई। इसमें प्रस्ताव पर चर्चा हुई। अमेरिका का कहना है कि वह इस कार्यक्रम के लिए सीधे पैसे नहीं देगा, बल्कि उम्मीद है कि खाड़ी के दूसरे देश इसमें निवेश करेंगे।

यह प्रशांत किशोर या जन सुराज की जीत नहीं होगी

यह जनता की जीत होगी, बिहार में फिर भरी हुंकार

एजेंसी

प्रशांत किशोर ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की आलोचना की, उनकी राजनीतिक साख पर सवाल उठाया और दावा किया कि वह अपने पिता लालू प्रसाद यादव की बदौलत इस पद पर हैं।

बिहार के भोजपुर में बदलाव रैली को संबोधित करते हुए जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि हमारा एक ही लक्ष्य है कि बिहार की जनता इस बार नंबर वन रहेगी, लालू यादव, नीतीश कुमार और पीएम मोदी सब नीचे जाएंगे। यह प्रशांत किशोर या जन सुराज की जीत नहीं होगी, यह जनता की जीत होगी। उन्होंने कहा कि जो लोग भ्रष्टाचार, नेताओं की लूट के कारण 30-35 सालों से गरीबी में जी रहे हैं, जिनके बच्चे अनपढ़ रह गए, जिनके बच्चे मजदूर बन गए, अब सब जाग चुके हैं। सबने तय कर लिया है कि बिहार में शिक्षा और रोजगार के लिए नई व्यवस्था लानी है। इससे पहले प्रशांत किशोर ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की आलोचना की, उनकी राजनीतिक साख पर सवाल उठाया और दावा किया कि वह अपने पिता लालू प्रसाद यादव की बदौलत इस पद पर हैं। एएनआई के साथ एक विशेष साक्षात्कार में किशोर ने कहा कि तेजस्वी यादव के पास स्वतंत्र राजनीतिक पहचान और विश्वसनीयता का अभाव है। उन्होंने आगे जोर दिया कि अपने पिता के नाम के बिना तेजस्वी की कोई महत्वपूर्ण पहचान नहीं होगी। तेजस्वी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने पूछा, ₹तेजस्वी यादव लालू यादव के बेटे हैं। तेजस्वी जो कुछ भी हैं, वह लालू यादव की वजह से हैं। अगर लालू यादव का नाम नहीं है, तो आपके लिए उनकी पहचान क्या है ?₹ किशोर ने तर्क दिया कि तेजस्वी की स्थिति केवल उनके वंश की वजह से है, न कि उनकी उपलब्धियों या योग्यता की वजह से। उन्होंने बताया कि यादव समाज में कई ऐसे युवा नेता हैं जिनमें तेजस्वी से ज्यादा क्षमता है। उन्होंने कहा कि आपने कहा कि तेजस्वी यादव युवा नेता हैं। बहुत सारे युवा नेता हैं। यादव समाज में उनसे कहीं ज्यादा युवा नेता हैं। लेकिन जिस बुनियाद पर वे अब हैं, वह इसलिए नहीं है कि उन्होंने कुछ हासिल किया है। वे सिर्फ. इसलिए इस पद पर हैं क्योंकि वे लालू यादव के बेटे हैं। किशोर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की लोकप्रियता पिछले कुछ सालों में काफी कम हुई है।

आजम खां अब अल्लाह भरोसे : अखिलेश यादव

जेल से बाहर आने के सिर्फ 3 रास्ते; पत्नी तंजीन ने कहा था- सपा से कोई उम्मीद नहीं

जानबूझकर स्कूल मर्ज किए गए

सपा अध्यक्ष ने कहा, सरकार ने जानबूझकर उन स्कूलों को मर्ज कर खत्म किया है, जहां सपा समर्थकों के वोट अधिक हैं। अगर आप वोटिंग डेटा देखेंगे तो साफ होगा कि जिन स्कूलों को मर्ज किया गया है, वहां विरोधी दलों को ज्यादा वोट मिलते थे। यह साजिश हमारे वोटरों को परेशान करने की है।

एजेंसी

लखनऊ , सीतापुर जेल में बंद आजम खां की पत्नी तंजीन फातिमा के आरोपों पर अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सफाई दी। उन्होंने कहा, अब हम क्या कर सकते हैं। हमने आजम खान की हर संभव मदद करने कोशिश की। अब उनकी मदद अल्लाह, ईश्वर और अदालत ही कर सकती है। यही सच है।

अखिलेश ने आजम की मदद के तीन रास्ते भी गिनाए। पहला- जब सरकार बदलेगी, तभी उन्हें न्याय मिलेगा। आप सब मिलकर सरकार बदलें। दूसरा- अदालत है। उन्हें कोर्ट से इंसाफ मिल सकता है। आखिरी रास्ता- भगवान-अल्लाह मतलब ऊपर वाला है। अखिलेश यादव शुक्रवार की शाम लखनऊ के अहिमामऊ में पूर्व विधायक संतोष पांडेय के आवास पर थे। उन्होंने कहा, बीजेपी के पास हर क्षेत्र में स्लीपर सेल है। वह पीछे के दरवाजे से कुछ भी कर सकती है।बीजेपी की स्थापना के समय उसके संविधान में सोशलिस्ट और सेकुलर जैसे शब्द शामिल थे। स्थापना से जुड़े लोग इन शब्दों को अच्छी तरह जानते और समझते हैं। अगर आप मुंबई में हुए बीजेपी के पहले अधिवेशन के खर्च का पता लगाएंगे कि वो किसने उठाया था, तो 'सेकुलर' शब्द का सही अर्थ समझ में आ जाएगा।

सीएम से बेहतर जातीय संघर्ष को कोई नहीं समझ सकताअखिलेश ने इटावा कथावाचक पिटाई मामले को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। कहा, जातीय संघर्ष के बारे में हमारे मुख्यमंत्री जी से बेहतर कोई नहीं समझ सकता। वे बीजेपी के सदस्य सिर्फ चुनाव लड़ने के लिए हैं, विचारधारा से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

कोलकाता गैंगरेप पर ममता का बचाव किया

अखिलेश ने कोलकाता में लॉ कॉलेज की छात्रा से गैंगरेप पर ममता सरकार का बचाव किया है। लखनऊ में उन्होंने कहा, ममता बनर्जी और बंगाल के लोग भाजपा से सावधान रहें। अगर आप निष्पक्ष कार्रवाई भी करना चाहेंगी, तो भाजपा इस घटना से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करेगी।उन्होंने यूपी की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाया। कहा, यहां पुलिस भाजपा का चुनाव चिह्न 'कमल' हाथ में लेकर काम कर रही है।

पत्थर जहां भी फेंके जाएं वहां वक्फ की जमीन है..

कर्नाटक हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के खिलाफ केस दर्ज रद्द की

ये मामले नवंबर 2024 में भाजपा की एक रैली में बोम्मई द्वारा की गई टिप्पणियों से उत्पन्न हुए, जहाँ उन्होंने वक्फ बोर्ड पर किसानों और मंदिरों की संपत्तियों पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया था। उद्धृत बयानों में कहा गया था कि अगर सावनूर में एक पत्थर फेंका जाता है, तो वह जहाँ भी गिरता है, वह वक्फ की जमीन है।

एजेंसी

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के खिलाफ दर्ज दो बयानों के मामलों को खारिज कर दिया, जिन पर वक्फ बोर्ड और कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। ये मामले नवंबर 2024 में भाजपा की एक रैली में बोम्मई द्वारा की गई टिप्पणियों से उत्पन्न हुए, जहाँ उन्होंने वक्फ बोर्ड पर किसानों और मंदिरों की संपत्तियों पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया था। उद्धृत बयानों में कहा गया था कि अगर सावनूर में एक पत्थर फेंका जाता है, तो वह जहाँ भी गिरता है, वह वक्फ की जमीन है। शिगगांव पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 196(1)(ए) के तहत मामले दर्ज किए थे, जो धार्मिक या अन्य आधारों पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित है।

एक देश आतंकवाद का जिक्र नहीं चाहता था...

इस कदम के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए जयशंकर ने कहा कि एससीओ का एक सदस्य देश संयुक्त बयान में आतंकवाद का कोई उल्लेख नहीं करना चाहता था, जबकि संगठन का गठन आतंकवाद से लड़ने के उद्देश्य से किया गया था।

जयशंकर ने राजनाथ के एससीओ में उठाए कदम का किया समर्थन

एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने का समर्थन किया। इस कदम के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए जयशंकर ने कहा कि एससीओ का एक सदस्य देश संयुक्त बयान में आतंकवाद का कोई उल्लेख नहीं करना चाहता था, जबकि संगठन का गठन आतंकवाद से लड़ने के उद्देश्य से किया गया था।समाचार एजेंसी एएनआई ने जयशंकर के हवाले से कहा कि जब संगठन का मुख्य उद्देश्य

आतंकवाद से लड़ना है और आप इसका उल्लेख करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं, तो उन्होंने (राजनाथ सिंह) इसे स्वीकार करने में अनिच्छा व्यक्त की। जयशंकर ने हालांकि उस देश का नाम नहीं बताया जो परिणाम वक्तव्य में आतंकवाद का उल्लेख नहीं चाहता था, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा, आप अनुमान लगा सकते हैं कि कौन सा देश है।भारत के अलावा, एससीओ के सदस्य देश कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस हैं। भारत 2017 में एससीओ का सदस्य बना और 2023 में रोटेशनल चेयरमैन का पद ग्रहण किया। जयशंकर ने कहा, ₹एससीओ सर्वसम्मति से चलता है। इसलिए राजनाथ जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर बयान में आतंकवाद का उल्लेख नहीं है, तो हम इस पर हस्ताक्षर नहीं करेंगेचीन के कि गदाओ की यात्रा पर गए राजनाथ सिंह ने गुरुवार को संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था, क्योंकि उन्होंने आतंकवाद संबंधी चिंताओं, विशेष रूप से 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे, के समाधान में विफलता का हवाला दिया था। संयुक्त वक्तव्य में पहलगाम हमले का उल्लेख तो नहीं किया गया